चॉकलेट के आदी बच्चों को ...8

दैनिक

# बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

सिद्धार्थनगर
रविवार ,12 जुलाई 2026
वर्ष: 13 अंक : 203 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त


## एलजी दिल्ली के मार्गदर्शन में डीडीए ने शुरू किया यमुना डायलॉग्स, बनेगा हरा–भरा दिल्ली

नई दिल्ली। दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी ने 10 जुलाई, 2026 को यमुना डायलॉग्स के लिए पहली स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन वर्कशॉप (हितधारकों के साथ विचार–विमर्श कार्यशाला) आयोजित की। यह पहल दिल्ली के उप–राज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू के निर्देशन में शुरू की गई है और यह यमुना नदी के पुनरुद्धार पर केंद्रित कई हितधारकों का एक संयुक्त प्रयास है। एक प्रेस रिलीज के अनुसार, यह वर्कशॉप उप–राज्यपाल के यमुना के बाढ़ वाले इलाकों के दौरे और उसके बाद क्क। के सीनियर अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठकों के बाद आयोजित की गई है। इन बैठकों में उन्होंने निर्देश दिया था कि नदी में प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए बहु–आयामी तरीका अपनाया जाए।

## अयोध्या दान चोरी कांड: ट्रस्ट का बड़ा एक्शन, अब नए नियम से होगी दान की गिनती

अयोध्या । राम जन्मभूमि मंदिर के लिए दान को लेकर चल रहे विवाद के बीच, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दान की गिनती के लिए नए नियम लागू किए हैं। इन नए नियमों में सुरक्षा की कड़ी जांच, बेहतर निगरानी और कर्मचारियों द्वारा दान को संभालने के तरीके शामिल हैं। संशोधित नियमों के अनुसार, अब दान की गिनती सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक की जाएगी।

**जांच जारी: कैश और सोने के गहने बरामद–** उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी की जांच के दौरान, जांचकर्ताओं ने चोरी किया गया कैश, सोने के गहने और एक चार–पहिया गाड़ी बरामद की है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह कार्रवाई तब हुई जब अधिकारियों ने बुधवार देर रात कई जगहों पर छापेमारी की, जो आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई थी। अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों में से एक, अनुकल्प मिश्रा के पास से 20,000 रुपये कैश, सोने की चेन, एक मोबाइल फोन और मारुति स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की गई। उन्होंने बताया कि कार मिश्रा के पिता के नाम पर रजिस्टर्ड थी। इसके अलावा, पुलिस ने आरोपी



लवकुश मिश्रा द्वारा अपनी पत्नी को तोहफे में दिया गया सोने का लॉकेट भी बरामद किया। उनके पास से 38,000 रुपये कैश भी मिला।

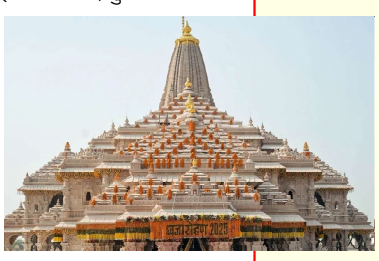

### राम मंदिर में चोरी के मामले पर एसआईटी की रिपोर्ट और अन्य जानकारी

*राम मंदिर में दान की चोरी के मामले की जांच एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम कर रही है। जांच में पता चला है कि आरोपी ने 45 दिनों में चोरी की 70 कोशिशें कीं, जो ब्र्ज्ट में कैद हो गईं। अपनी शुरुआती रिपोर्ट में, एसआईटी ने चोरी के लिए स्टाफ की निगरानी में बार–बार हुई चूक को जिम्मेदार ठहराया है। एसआईटी की रिपोर्ट में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं, क्योंकि जांचकर्ताओं को पता चला कि उनकी देखरेख में जरूरी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर का पालन नहीं किया गया था। गौरतलब है कि मिश्रा अपने पद से हट गए हैं। उनके साथ ही चंपत राय ने भी ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी के पद से इस्तीफा दे दिया है और उनके इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए हैं।ॅप्ज द्वारा गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों में राय के करीबी सहयोगी रामशंकर यादव उर्फ घ्टिन्नू यादव भी शामिल हैं। जांच में पाया गया कि टिन्नू षबिना लिखित अनुमति के हुंडी की चाबियांध्एक्सेस संभाल रहे थेष्। हालांकि ट्रस्ट ने उनके इस्तीफे स्वीकार कर लिए हैं, लेकिन उसने कहा है कि राय पद छोड़ने से श्नाराजश नहीं हैं और नई व्यवस्था का समर्थन कर रहे हैं। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज ने गुरुवार को कहा, वह (चंपत) एक अनुभवी व्यक्ति हैं जिन्होंने अपना जीवन देश को समर्पित कर दिया है। वह नई (मंदिर प्रबंधन) व्यवस्था का पूरा समर्थन कर रहे हैं और वह नाराज या गुस्सा नहीं हैं।*

# 2017 से पहले यूपी में नहीं था विकास का इरादा

## सीएम योगी ने एसपी सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि निवेश और रोजगार के अवसर अब नोएडा और गाजियाबाद से आगे बढ़कर कुशीनगर और गोरखपुर जैसे जिलों तक फैल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब राज्य के युवाओं को नौकरी की तलाश में कहीं और जाने की जरूरत नहीं है। कुशीनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर पिछली सरकारों ने विकास पर ध्यान दिया होता, तो इस इलाके के युवाओं को रोजगार के लिए अपना घर छोड़ने



पर मजबूर नहीं होना पड़ता। सीएम योगी ने कहा कि अगर पिछली सरकारों ने दिलचस्पी दिखाई होती, तो कुशीनगर के युवाओं को पलायन नहीं करना पड़ता। आज जब यूपी पुलिस में भर्ती होती है या उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग कोई परीक्षा आयोजित करता है और मैं लखनऊ में नियुक्ति पत्र बांटता हूं, तो कुशीनगर के किसी युवा को नियुक्ति पत्र पाते हुए देखकर मुझे बहुत खुशी होती है। पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए सीएम योगी ने आरोप लगाया कि 2017 से पहले विकास के लिए न तो कोई इरादा था और न ही कोई नीति, जिसके कारण निवेश की कमी हुई और प्रोजेक्ट्स रुक गए। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उनकी तरफ से कोई पहल नहीं की गई। इसीलिए न तो कोई निवेश हुआ और न ही विकास के काम हो पाए, सब कुछ ठप पड़ गया था। मुख्यमंत्री ने पिछली समाजवादी पार्टी सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप भी लगाया और कहा कि गरीबों के लिए बनी सुविधाओं का गलत इस्तेमाल किया जा रहा था।

उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों के लिए राशन, स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार के मौकों पर समाजवादी पार्टी के गुंडों ने कब्जा कर लिया था और गरीबों की जिंदगी बर्बाद कर दी थी।

# न्यूजीलैंड में प्रधानमंत्री ने दी ऐसी कौन सी गारंटी

## मोदी–मोदी से गूंज उठा पूरा ऑडिटोरियम

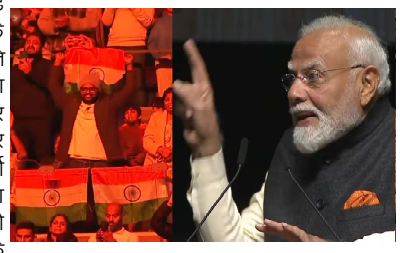

ऑकलैंड । प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भारतीय समुदाय के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन, न्यूजीलैंड सरकार के सदस्यों और लेबर पार्टी के सदस्यों को बधाई देता हूँ। उनकी मौजूदगी भारत–न्यूजीलैंड संबंधों के लिए दोनों पार्टियों के मजबूत समर्थन को दर्शाती है। यह कीवी–भारतीय समुदाय की शानदार उपलब्धियों का भी प्रमाण है। हर युग में हर दौर में भारत ने खुद को ट्रांसफॉर्म किया है और इसका कारण है हमारी सीखने की ललक। भारत सबसे सीखता है। हमारे लिए सामने



वाले देश की जनसंख्या नहीं, जनकल्याण की भावना मायने रखती है और इसलिए हमने न्यूजीलैंड से भी बहुत कुछ सीखा है। न्यूजीलैंड दुनिया का वो देश है, जिसने सबसे पहले महिलाओं को वोटिंग का राइट दिया था। आज हम देखते हैं कि न्यूजीलैंड की सोसाइटी में महिलाएं बहुत बड़े पैमाने पर कंट्रीब्यूट कर रही हैं। भारत भी आज महिलाओं के नेतृत्व में विकास के मंत्र के साथ महिलाओं के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय देश से बाहर जिस भी देश में रहते हैं, वहां उस देश की प्रगति में पूरी तरह मदद करते हैं। और अपने देश के विकास की भी जानकारी रखते हैं। हम जितना प्यार जन्मभूमि को करते हैं, उतना ही समर्पण कर्मभूमि को भी करते हैं।

## भाजपा हमारी सरकार गिराने और नेकां विधायकों को खरीदने की कोशिश कर रही है: उमर अब्दुल्ला

जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस में फूट डालकर उनकी सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है। उमर अब्दुल्ला ने दावा किया कि उनकी पार्टी के विधायकों को पाला बदलने के लिए 20 से 30 करोड़ रुपये तक की पेशकश की गई है। श्रीनगर के हजरतबल में अपनी दादी बेगम अकबर जोहरा की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा उनके विधायकों को खरीदने के लिए धनबल का इस्तेमाल कर रही है।

## भाजपा सरकार में मध्यप्रदेश भ्रष्टाचार का पर्याय बना, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौन हैं: मल्लिकार्जुन खरगे

भोपाल। नयी दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार के दौरान राज्य भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया है। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने सत्ता के अहंकार में आकर सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही की भावना को पूरी तरह कुचल दिया है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी पोस्ट में दावा किया कि मध्यप्रदेश में एथेनॉल उत्पादन के नाम पर 1,200 करोड़ रुपये का बड़ा चावल घोटाला सामने आया है। उन्होंने बताया



कि जिस चावल का उपयोग कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के पोषण के लिए किया जाना था, उसे मुनाफे के खेल में डाइवर्ट कर दिया गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकारी तंत्र और राइस मिलर्स की मिलीभगत पर सवाल उठाते हुए कहा कि करीब पांच लाख मीट्रिक टन चावल, एथेनॉल माफिया और भाजपा सरकार के संरक्षण में इस बड़े भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मिलीभगत से सीधे तौर पर जनता के हक के अनाज की चोरी की जा रही है। इसके साथ ही खरगे ने उज्जैन में हुए कथित जमीन घोटाले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उज्जैन के उन्हीं क्षेत्रों में जमीनों का विस्तार किया गया जहां सरकारी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं और राजमार्ग प्रस्तावित थे। इस मामले में सीधे तौर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव पर भी सवाल खड़े हुए हैं। खरगे ने कहा कि व्यापमं से शुरू हुआ लूट और अनगिनत पेपर लीक का यह सिलसिला भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आने के बाद भी आज तक नहीं रुका है।

## मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा की तैयारियां शुरू

### ड्रोन और एआई कैमरों से होगी सुरक्षा निगरानी

मुजफ्फरनगर। जिले में इस साल 30 जुलाई से शुरू होकर 11 अगस्त तक चलने वाली प्रसिद्ध कांवड़ यात्रा की तैयारियां प्रशासन ने शुरू कर दी हैं। यात्रा को पूरी तरह शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए जिले में आधुनिक तकनीक और अतिरिक्त सुरक्षा बलों का सहयोग लिया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजय कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली–हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग और गंगा नहर मार्ग के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाए



जाएंगे। जिले भर में लगभग 2500 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएंगे जो संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस को तुरंत अलर्ट देंगे। इसके अलावा, हवाई निगरानी सुनिश्चित करने के लिए ड्रोन कैमरों का भी उपयोग किया जाएगा। कांवड़ मार्ग पर श्रद्धालुओं की मदद और आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए भी खास तैयारी की गई है। सभी थानों में पुलिस, स्वास्थ्य, बिजली और सफाई विभाग के अधिकारी एक साथ तैनात रहेंगे ताकि बेहतर समन्वय के साथ काम किया जा सके। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस कड़ी निगरानी रखेगी और ऐसे भ्रामक संदेशों को तुरंत प्रतिबंधित कर कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी ने बताया कि कांवड़ियों की पुख्ता सुरक्षा के लिए राज्य सरकार से अतिरिक्त पुलिस बल की मांग भी की गई है।

## पंजाब कांग्रेस में सियासी भूचाल, भूपेश बघेल की बैठक से पहले रंधावा का चौंकाने वाला बयान

चंडीगढ़। कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने 11 जुलाई को कहा कि पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को खुद आना चाहिए था, क्योंकि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने राज्य इकाई के अंदरूनी मतभेदों पर चर्चा करने के लिए पंजाब के प्रभारी **AICC** महासचिव भूपेश बघेल से मुलाकात की थी। बैठक से पहले पत्रकारों से बात करते हुए रंधावा ने ज्यादा कुछ कहने से परहेज किया, लेकिन कहा कि बैठक से पहले कुछ भी कहने का कोई मतलब नहीं है। राजा वडिंग राज्य पार्टी के अध्यक्ष हैं। उन्हें खुद आना चाहिए था। मुझे कोई शिकायत नहीं है। मैंने उनके साथ काम किया है। उन्हें यह समझना चाहिए कि असल में कौन नाराज है। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने भी बैठक के एजेंडे के बारे में जानकारी देने से इनकार करते हुए कहा कि हम बैठक के लिए अंदर जा रहे हैं। हम पहले वहां सभी से बात करेंगे। मैं पहले से कुछ भी नहीं बता सकता। हमारा रुख क्या है, यह आप पहले से ही जानते हैं। कांग्रेस विधायक परगट सिंह ने जोर देकर कहा कि पार्टी सभी मुद्दों को आपस में ही सुलझाना चाहती है और अपने मतभेदों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा करने से बचना चाहती है।

## राजनाथ सिंह का युवाओं से आह्वान: आत्मनिर्भर भारत के लिए इससे बेहतर समय नहीं

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को इंजीनियरिंग, इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और इन्वेस्टमेंट के क्षेत्रों से जुड़े युवाओं से देश के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उन्हें न केवल अपना भविष्य, बल्कि भारत का भविष्य बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए। विशाखापत्तनम नेवल डॉकयार्ड में श्प्छै महेंद्रगिरिश के कमीशनिंग समारोह में बोलते हुए, रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि डिफेंस सेक्टर में घरेलू टैलेंट के फलने–फूलने के लिए इससे बेहतर समय कभी नहीं रहा है। भौगोलिकसंदर्भ सिंह ने कहा कि मैं खास तौर पर देश के युवाओं से यह कहना चाहता हूँ। अगर आप इंजीनियर, इनोवेटर, एंटरप्रेन्योर, रिसर्चर या इन्वेस्टर हैं, तो शायद आज से बेहतर मौका कभी नहीं रहा। आइए, न सिर्फ अपना बल्कि भारत का भविष्य भी बनाएँ। आइए, ऐसे जहाज बनाएँ जो हमारे समुद्रों की रक्षा करें। आइए, ऐसी टेक्नोलॉजी विकसित करें जो भविष्य की लड़ाइयों की दिशा तय करें। और आइए, ऐसे सिस्टम तैयार करें जो भारत को आत्मनिर्भर बनाएँ। मंत्री ने इस क्षेत्र के लिए एक दूरदर्शी सोच भी साझा की और आंध्र प्रदेश के कुरनूल की क्षमता की तुलना भारत के सबसे मशहूर औद्योगिक शहरों से की। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी आठ ड्रोन कंपनियों के एक समूह के बारे में बात की थी जो कुरनूल में श्ड्रोन सिटीश बना रहे हैं। जैसे सूरत को डायमंड सिटी और बेंगलुरु को देश की शसिलिकॉन वैलीश के तौर पर जाना जाता है, मुझे भरोसा है कि एक दिन यह इलाका देश के श्ड्रोन हबश के तौर पर पहचाना जाएगा।

# हमारा और भारत का डीएनए एक...

## भारत से बोला तालिबान, पाकिस्तान को लगी मिर्ची

नई दिल्ली। एक तरफ पाकिस्तान के साथ तनाव चरम पर है तो दूसरी तरफ तालिबान भारत के साथ अपने रिश्तों को लगातार मजबूत करने में जुटा है और इसी कड़ी में तालिबान के कृषि सिंचाई और पशुपालन मंत्री अताउल्लाह उमारी का भारत दौरा कई मायनों में बेहद अहम माना जा रहा है और यह दौरा बदलते क्षेत्रीय समीकरणों और नई कूटनीतिक दिशा का भी बड़ा संकेत है और भारत पहुंचते ही अताउल्ला उमारी ने जो बात कही उसने इस दौरे की अहमियत और बढ़ा दी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारत और अफगानिस्तान का रिश्ता कोई आज का रिश्ता नहीं बल्कि सदियों पुराना है। उन्होंने कहा कि यहां आने के बाद मुझे ऐसा लगा जैसे मैं अपने ही लोगों के बीच में हूं। मुझे कभी भी नहीं लगा कि मैं किसी अजनबी देश में हूं। इतना ही नहीं उन्होंने दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे जुड़ाव का जिक्र करते हुए यह तक कह दिया कि हमारा




डीएनए एक है। इस बयान को तालिबान की ओर से भारत के प्रति सकारात्मक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। तालिबान चाहता है कि भारत अफगानिस्तान को आधुनिक खेती की तकनीक, अच्छे और भरोसेमंद बीज, फलों की प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज और कृषि उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग व बिक्री में मदद करी। इसके अलावा तालिबान ने भारत को डेयरी, पोल्ट्री, एनिमल ब्रीडिंग और आर्टिफिशियल इंसमिनेशन जैसे क्षेत्रों में निवेश का न्योता दिया। अफगानिस्तान का कहना है कि वह केमिकल फर्टिलाइजर्स पर निर्भरता कम करके ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देना चाहता है। साथ ही वह चाहता है कि भारत किसानों तक नई तकनीक पहुंचाने और रूरल डेवलपमेंट में भी सहयोग करें। इसके अलावा काबुल में होने वाली एग्रीकल्चर एक्सो में भारतीय कंपनियों को हिस्सा लेने का निमंत्रण भी दिया गया। अगर पिछले करीब एक साल पर नजर डालें तो यह भारत आने वाले तालिबान के चौथे वरिष्ठ मंत्री हैं। इससे पहले तालिबान के विदेश मंत्री, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री भी नई दिल्ली का दौरा कर चुके हैं।

## ममता बनर्जी को बड़ा झटका, भरोसेमंद नेता अनुब्रत मंडल बागी खेमे में शामिल

तृणमूल कांग्रेस के लिए एक झटके के तौर पर, पार्टी के सीनियर नेता और बीरभूम के कद्दावर नेता अनुब्रत मंडल शनिवार को बागी गुट में शामिल हो गए। यह पश्चिम बंगाल में एक अहम राजनीतिक घटनाक्रम है। विपक्ष के नेता रिताब्रता बनर्जी ने अनुब्रत मंडल के शामिल होने की घोषणा की और उन्हें बागी गुट का बीरभूम जिला अध्यक्ष नियुक्त किया। माना जा रहा है कि इस कदम से जिले की राजनीतिक स्थिति बदल जाएगी, जहाँ अनुब्रत मंडल को लंबे समय से ज्ड्ब के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक माना जाता रहा है।

# कार्यालय : क्षेत्र पंचायत- खेसरहा जनपद- सिद्धार्थनगर

**पत्रांक– 721/2–लेखा/अल्पनिविदा/2026–27 दिनांक– 10/07/2026**

## अल्पकालीन निविदा सूचना

राज्य वित्त/केन्द्र वित्त आयोग योजनान्तर्गत वर्ष 2026–27 में कार्य कराये जाने कार्यो हेतु क्षेत्र पंचायत के अन्तर्गत/अन्य विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित परियोजनाओं पर निविदा आंमत्रित किया जाता है। तथा निविदा दिनांक 10.07.2026 से 17.07.2026 को अपरान्ह 2.00 बजे तक निविदा बन्द लिफाफें में क्षेत्र पंचायत के निविदा बाक्स में डाली जायेगी।

निविदा प्रपत्र को दिनांक 17.07..2026 को अपरान्ह 3.00 बजे समिति के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कक्ष में खोला जायेगा। निविदा फार्म व नियम व शर्ते की जानकारी के लिये किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से जानकारी प्राप्त कर सकते है।

निविदा हेतु विवरण निम्नवत् है–

| क्र. सं. | कार्य का नाम | आगणन की धनराशि (लाख में) | निविदा की धनराशि (जी0एस0टी0 छोड़कर) (लाख में) | 2 प्रतिशत अर्नेष्ट मनी | 8 प्रतिशत की धनराशि निविदा स्वीकृत के उपरान्त 7 दिन के अन्दर जमा करना/विकल्प देना अनिवार्य | टेण्डर फार्म मूल्य जी0एस0टी0 सहित | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 3 | | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | अरजी देवगह सम्पर्क मार्ग से इस्हाक के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य। | 9.99 | 847393 | 16948 | 67791 | 590 | 06 माह |
| 2 | टीकुर गांव के प० जाने वाले मार्ग पर इण्टरलाकिंग कार्य। | 9.98 | 846278 | 16926 | 67702 | 590 | 06 माह |
| 3 | ग्राम पंचायत बनुहिया बु० में पक्की सड़क से कृषि भवन तक सी०सी०रोड निमार्ण कार्य | 9.98 | 846335 | 16927 | 67707 | 590 | 06 माह |
| 4 | दुर्गवा पिपरा मार्ग से ओनिश्वर मन्दिर वाले मार्ग पर इण्टरलाकिंग कार्य। | 9.98 | 846108 | 16922 | 67689 | 590 | 06 माह |
| 5 | एकडेगवा पकडी मार्ग पर 2मी० स्पान की पुलिया निर्माण कार्य। | 9.98 | 845830 | 16917 | 67666 | 590 | 06 माह |
| 6 | मटियरिया गांव के पूरब पुलिया का निर्माण। | 9.98 | 845830 | 16917 | 67666 | 590 | 06 माह |
| 7 | महुलानी मझवा सिवान के पूर्व के लगे इण्टरलाकिंग के अवशेष भाग पर इण्टरलाकिंग कार्य | 9.99 | 847393 | 16948 | 67791 | 590 | 06 माह |
| 8 | बेलवा लगुनही में इण्टरलाकिंग के आगे सेठ के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य। | 9.98 | 846076 | 16922 | 67686 | 590 | 06 माह |
| 9 | बनकटा प्रथम से पिचरोड तक इण्टरलाकिंग कार्य। | 9.99 | 846950 | 16939 | 67756 | 590 | 06 माह |
| 10 | बेलउख मन्दिर पर आरो पम्प का निर्माण कार्य। | 8.68 | 735500 | 14710 | 58840 | 590 | 06 माह |
| 11 | पक्की सड़क से गैंडाखोर गंगेश्वर राय के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य। | 9.999 | 847428 | 16949 | 67794 | 590 | 06 माह |
| 12 | परोई मन्दिर पर आरो पम्प का निर्माण कार्य। | 8.68 | 735500 | 14710 | 58840 | 590 | 06 माह |
| 13 | पचमोहनी में पूर्व में लगे इण्टरलाकिंग के आगे पक्की सडक तक इण्टरलाकिंग कार्य। | 9.98 | 846279 | 16926 | 67702 | 590 | 06 माह |
| 14 | पचमोहनी राजकीय विद्यालय पर आरो पम्प का निर्माण कार्य। | 8.68 | 735500 | 14710 | 58840 | 590 | 06 माह |
| 15 | नासिरगंज में वारिस अली के घर से मुस्ताक अली के घर तक इण्टरलाकिग कार्य | 9.97 | 845536 | 16911 | 67643 | 590 | 06 माह |
| 16 | टीकुर सामुदायिक भवन पर आरो पम्प का निर्माण कार्य। | 8.68 | 735500 | 14710 | 58840 | 590 | 06 माह |
| 17 | महुलानी अमृत सरोवर पर सीढी निर्माण कार्य। | 9.98 | 845915 | 16918 | 67673 | 590 | 06 माह |

## नियम एवं शर्तें

1. प्रत्येक कार्य का पूर्ण करने की अनुमन्य अवधि कालम (7) में दर्शायी गयी है।
2. निविदा के साथ **02 (दो)** प्रतिशत धरोहर धनराशि जो कॉलम नं0(5) में एफ0डी0 एवं एन0एस0सी0/डाकघर बचत पत्र / अन्य सावधि जमा के माध्यम से खण्ड विकास अधिकारी–खेसरहा के पद नाम से बंधक के रूप में अथवा नगद जमा कर पुष्टि के रूप में राषीद की कैन कापी निविदा के साथ संलग्न करना अथवा भुगतान के प्रथम बिल से कटौती करने हेतु नोटरी पर सहमती पत्र देना अनिवार्य होगा।
3. कार्य किसी अन्य को कदापि हस्तान्तरित नहीं किया जायेगा, निविदा स्वीकृति के बाद यदि हस्तान्तरित की स्थिति प्रकाश में आता है, तो अनुबन्ध निरस्त कर दिया जायेगा। प्रत्येक दशा में कार्य निर्धारित समय–सीमा में पूर्ण किया जाना अनिवार्य होगा ।
4. निविदा खोलने की कार्यवाही अधोहस्ताक्षरी के कक्ष में गठित समिति के सदस्यों के द्वारा निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी।
5. निविदा की वैधता निविदा स्वीकार करने के तिथि से 05 माह तक होगा।
6. निर्माण नियमावली–1984 के अनुसार निर्माण का परिवर्तन/परिवर्धन/निरस्तीकरण का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी/अध्यक्ष क्षेत्र पंचायत–खेसरहा द्वारा बिना कोई कारण बताये एवं बिना नोटिस दिये किसी भी निविदा को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार निहित होगा ।
7. अपूर्ण अथवा सही ढंग से निविदा प्रपत्र न भरी हुई निविदाये स्वीकार नही किया जायेगा।
8. खण्ड विकास अधिकारी/अध्यक्ष क्षेत्र पंचायत–खेसरहा को विशेष परिस्थितियो में आवश्यकतानुसार दण्ड आरोपित करने अथवा 1000 रू0 दण्ड आरोपित कर समय वृद्वि करने का अधिकार होगा।
9. ठेकेदार को अवर अभियन्ता(ग्रा0अभि0वि0) के निर्देशानुसार कार्य करना होगा। निर्माण कार्य का निरीक्षण खण्ड विकास अधिकारी /अध्यक्ष क्षेत्र पंचायत–खेसरहा के आदेशानुसार पाई गयी कमियों की कटौती करते हुए भुगतान किया जायेगा।
10. निविदा मूल्य कालम के अनुसार कार्यालय से कार्यदिवस में प्राप्त की जा सकेगी।
11. कार्य समाप्ति अथवा अन्तिम भुगतान के छः माह के पश्चात निर्माण कार्य हेतु जमानत धनराशि वापस कर दिया जायेगा।
12. किसी विवाद की दशा में खण्ड विकास अधिकारी/अध्यक्ष, क्षेत्र पंचायत का निर्णय अन्तिम होगा जो उभय पक्ष को मान्य होगा।
13. ठेकेदार के बिल से शासनादेश के अनुसार देय आयकर, जी०एस०टी०, सेस व अन्य कर नियमानुसार कटौती किया जायेगा, जो ठेकेदार को मान्य होगा।
14. उपरोक्त निर्माण कार्यों का भुगतान क्षेत्र पंचायत के अन्तर्गत से प्राप्त धनराशि से किया जायेगा।
15. निविदा के साथ निविदादाता को नियमानुसार 100.00 रूपये के स्टाम्प पेपर पर अनुबन्ध करना होगा।
16. स्टीमेट में कान्ट्रक्टर प्राफिट के अतिरिक्त बेलो टेण्डर डालने पर ठेकेदार समिति के समक्ष उपस्थिति होकर स्पष्ट करना होगा कि किस प्रकार विशिष्टियों के अनुसार किस प्रकार कराये जायेगें समिति के संतुष्ट होने पर निविदा स्वीकृत किया जायेगा।
17. निविदा के साथ संलग्न धरोहर की राशि जमा रसीद अथवा प्रथम बिल से कटौती करने हेतु नोटरी/सहमति पत्र निविदा बॉक्स में डाली जायेगी।
18. ठेकेदार द्वारा अनुबन्ध कराने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा। अनुबन्ध के पूर्व किया गया कार्य स्वतःश्रमदान घोषित हो जायेगा।

**अवर अभियन्ता**
**क्षेत्र पंचायत - खेसरहा**
**जनपद- सिद्धार्थनगर**

**खण्ड विकास अधिकारी**
**क्षेत्र पंचायत - खेसरहा**
**जनपद- सिद्धार्थनगर**

**ब्लॉक प्रमुख**
**क्षेत्र पंचायत - खेसरहा**
**जनपद- सिद्धार्थनगर**

# सकतपुर सनई में वृक्षारोपण महायज्ञ, जनप्रतिनिधियों ने किया पौधारोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। सामाजिक वानिकी प्रभाग सिद्धार्थनगर द्वारा वृक्षारोपण

महायज्ञ के अंतर्गत जय किसान इंटर कॉलेज, सकतपुर सनई परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल रहे। इस दौरान विधायक श्यामधनी राही, विधायक विनय वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी नीला एम. , उप प्रभागीय वनाधिकारी वीना तिवारी सहित अन्य अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि पौधारोपण एक पुनीत कार्य है और प्रत्येक व्यक्ति को खाली पड़ी भूमि पर अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनकी सुरक्षा का भी संकल्प लेना चाहिए। विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि वृक्षारोपण से पर्यावरण शुद्ध होता है, जबकि विधायक विनय वर्मा ने जनपद में वन विभाग द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण महायज्ञ की सराहना करते हुए इसे जनभागीदारी का अभियान बताया।कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार, क्षेत्रीय वनाधिकारी छविनाथ त्रिपाठी, भाजपा पदाधिकारी, वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सिद्धार्थ शंकर ने किया।

# छात्राओं को साइबर सुरक्षा व महिला हेल्पलाइन की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर।महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन शक्ति फेज–5.0 के अंतर्गत शनिवार को थाना शोहरतगढ़ पुलिस द्वारा सेठ राम कुमार खेतान बालिका इंटर कॉलेज में जनचौपाल एवं बहू–बेटी

सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, नए कानूनों तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के निर्देश पर तथा अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में आयोजित कार्यक्रम का संचालन प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान छात्राओं एवं महिलाओं को दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो अधिनियम, महिला संबंधी अपराधों से बचाव, साइबर ठगी से सुरक्षा, आत्मरक्षा के उपाय तथा पीड़ित सहायता व्यवस्था की जानकारी दी गई। साथ ही थाना स्तर पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र की उपयोगिता बताते हुए कहा गया कि महिलाएं अपनी किसी भी समस्या या शिकायत को वहां निःसंकोच दर्ज करा सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति फेज–5.0 के जागरूकता स्टिकर भी चस्पा किए गए। पुलिस टीम ने महिलाओं को 1090 (वूमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 108 (एम्बुलेंस), 101 (अग्निशमन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 14567 (एल्डर हेल्पलाइन) तथा 1930 (साइबर हेल्पलाइन) सहित विभिन्न आपातकालीन सेवाओं की जानकारी दी। इसके अलावा नए आपराधिक कानूनों एवं यातायात नियमों के प्रति भी छात्राओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में कुल 65 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल शोभा भारती एवं महिला कांस्टेबल उर्मिला देवी सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

# जीएसटी विभाग ने व्यापारियों संग किया संवाद, प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की बिक्री रोकने की अपील

दैनिक बुद्ध का संदेश

**सिद्धार्थनगर।** जीएसटी विभाग ने शनिवार को स्थानीय व्यापारियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित कर प्रतिबंधित चाइनीज मांझा, सिंथेटिक मांझा एवं सीसा लेपित डोरी के निर्माण, बिक्री और उपयोग पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जागरूक किया। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे मांझे से हर वर्ष कई लोगों की जान जोखिम में पड़ती है तथा पक्षियों और पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचता है। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने व्यापारियों से अपील की कि वे प्रतिबंधित मांझे का न तो निर्माण करें और न ही उसकी बिक्री करें। साथ ही यदि कहीं इसकी बिक्री की जानकारी मिले तो संबंधित विभाग को तत्काल सूचित करें। संवाद के दौरान व्यापारियों को समय से जीएसटी रिटर्न दाखिल करने तथा करों का नियमित भुगतान करने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में जीएसटी विभाग की ओर से उपायुक्त सिद्धार्थ सौरभ बन्धु, उपायुक्त विजय सिंह विसेन, मनोज कुमार वर्मा, सहायक आयुक्त परमहंस यादव, राज्य कर अधिकारी महेंद्र सिंह तथा जय प्रकाश भारती उपस्थित रहे। व्यापार मंडल सिद्धार्थनगर की ओर से अजय कसौधन, राजकमल जायसवाल, भीमचन्द, शुभम, उत्तम श्रीवास्तव, शिवदत्त अग्रहरि, रणजीत कसौधन, शिव कुमार कसौधन, ओमप्रकाश कसौधन सहित सिंथेटिक/नायलॉन ट्रेड से जुड़े अनेक व्यापारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।



# युग कृष्णा गैस एजेंसी की जांच में बड़ा खुलासा, डीएम ने कार्रवाई के दिए निर्देश

## बुकिंग के बाद भी नहीं मिला सिलेंडर, जांच में सही निकलीं उपभोक्ताओं की शिकायतें

दैनिक बुद्ध का संदेश

**बढ़नी/सिद्धार्थनगर।** नगर पंचायत बढ़नी स्थित मैसर्स युग कृष्णा इंडेन गैस एजेंसी एक बार फिर विवादों में है। एक ओर उपभोक्ता कड़ी धूप में घंटों लाइन लगाने के बावजूद समय पर गैस सिलेंडर न मिलने, होम डिलीवरी बंद रहने, ओवररेटिंग और अभद्र व्यवहार का आरोप लगा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं की शिकायतों पर हुई प्रशासनिक जांच में भी कई गंभीर अनियमितताओं की पुष्टि हुई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर ने 10 जुलाई 2026 को क्षेत्रीय प्रबंधक (एलपीजी), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, गोरखपुर को पत्र भेजकर एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की संस्तुति की है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि गैस एजेंसी पर पहले पर्ची लेने के लिए लंबी कतार लगानी पड़ती है। डीएसी (व।ब) नंबर मोबाइल पर प्राप्त होने के बाद भी कई दिनों तक गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जाता। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि उनके मोबाइल पर गैस सिलेंडर डिलीवर होने का संदेश भेज दिया जाता है, जबकि वास्तव में उन्हें केवल पर्ची दी जाती है और सिलेंडर के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ईरान–अमेरिका तनाव के दौरान गैस आपूर्ति प्रभावित होने का हवाला देकर निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूली गई थी। अब स्थिति सामान्य होने के बावजूद बिना होम डिलीवरी के भी निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूले जाने का आरोप लगाया जा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि होम डिलीवरी व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू कर दी जाए तो उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी और कथित ओवररेटिंग पर भी रोक लगेगी।

इधर, विकास खंड बढ़नी के कई उपभोक्ताओं द्वारा की गई शिकायतों के बाद क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक एवं क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी ने जांच कर 22 उपभोक्ताओं के बयान दर्ज किए। जांच में अधिकांश उपभोक्ताओं ने बताया कि गैस बुकिंग और डीएसी नंबर मिलने के बावजूद उन्हें समय पर सिलेंडर नहीं मिलता तथा गैस प्राप्त करने के लिए बार–बार एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ते हैं। कई उपभोक्ताओं ने निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली और ऑनलाइन भुगतान स्वीकार न किए जाने की शिकायत भी दर्ज कराई। जांच अधिकारी की रिपोर्ट के अनुसार 08 जुलाई 2026 को एजेंसी के स्टॉक का सत्यापन किया गया। ऑनलाइन स्टॉक में 648 घरेलू गैस सिलेंडर दर्शाए गए थे, जिनमें से 255 सिलेंडर मैसर्स मार्ग गैस एजेंसी, पचपेड़वा के पाए गए। इस प्रकार युग कृष्णा गैस एजेंसी के पास 393 घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध होने चाहिए थे, जबकि गोदाम में घरेलू गैस सिलेंडरों का स्टॉक शून्य मिला। एजेंसी के सह–भागीदार रवि प्रकाश श्रीवास्तव इस अंतर का संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सके। जांच में यह भी सामने आया कि एजेंसी द्वारा होम डिलीवरी व्यवस्था का पालन नहीं किया जा रहा था। उपभोक्ताओं के मोबाइल पर गैस डिलीवर होने का संदेश भेजकर रिकॉर्ड में आपूर्ति दर्शाई जा रही थी, जबकि वास्तविक आपूर्ति नहीं की गई। साथ ही उपभोक्ताओं की पासबुक में भी गैस वितरण का अंकन नहीं किया जा रहा था। जिलाधिकारी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस एजेंसी के विरुद्ध पूर्व में भी 05 जून 2026 एवं 27 जून 2026 को जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा कार्रवाई की संस्तुति की जा चुकी है। इसके बावजूद शिकायतें लगातार मिलती रहीं और जांच में अनियमितताओं की पुष्टि होने पर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। उधर, क्षेत्र के लोगों का कहना है कि एजेंसी के पास नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र मिलाकर लगभग 18 हजार सक्रिय उपभोक्ता हैं। उनका आरोप है कि यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो उपभोक्ताओं को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। लोगों ने सांसद, विधायक, जिलाधिकारी और जिला पूर्ति अधिकारी से दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर उपभोक्ताओं को राहत दिलाने की मांग की है। //मामले में एजेंसी संचालक डॉ. रवि श्रीवास्तव से दूरभाष पर संपर्क कर उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

# छात्राओं को साइबर सुरक्षा व महिला हेल्पलाइन की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

**शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर।** महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन शक्ति फेज–5.0 के अंतर्गत शनिवार को थाना शोहरतगढ़ पुलिस द्वारा सेठ राम कुमार खेतान बालिका इंटर कॉलेज में जनचौपाल एवं बहू–बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, नए कानूनों तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के निर्देश पर तथा अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में आयोजित कार्यक्रम का संचालन प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान छात्राओं एवं महिलाओं को दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो अधिनियम, महिला संबंधी अपराधों से बचाव, साइबर ठगी से सुरक्षा, आत्मरक्षा के उपाय तथा पीड़ित सहायता व्यवस्था की जानकारी दी गई। साथ ही थाना स्तर पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र की उपयोगिता बताते हुए कहा गया कि महिलाएं अपनी किसी भी समस्या या शिकायत को वहां निःसंकोच दर्ज करा सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति फेज–5.0 के जागरूकता स्टिकर भी चस्पा किए गए। पुलिस टीम ने महिलाओं को 1090 (वूमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 108 (एम्बुलेंस), 101 (अग्निशमन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 14567 (एल्डर हेल्पलाइन) तथा 1930 (साइबर हेल्पलाइन) सहित विभिन्न आपातकालीन सेवाओं की जानकारी दी। इसके अलावा नए आपराधिक कानूनों एवं यातायात नियमों के प्रति भी छात्राओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में कुल 65 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल शोभा भारती एवं महिला कांस्टेबल उर्मिला देवी सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।



# भारत–नेपाल सीमा पर पुलिस व एसएसबी ने किया पैदल गस्त

दैनिक बुद्ध का संदेश




**शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर।** भारत–नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से शनिवार को क्षेत्राधिकारी (सीओ) शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के नेतृत्व में थाना शोहरतगढ़ पुलिस एवं सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने संयुक्त बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। इसके बाद कस्बा खुनुवा में भारी पुलिस बल एवं एसएसबी के जवानों के साथ पैदल गश्त कर आमजन को सुरक्षा का एहसास कराया गया। संयुक्त गश्त में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह, खुनुवा चौकी प्रभारी सुरेश यादव तथा एसएसबी के सेनानायक अभिषेक सिंह ने सीमा क्षेत्र की गतिविधियों का जायजा लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए। सीओ मयंक द्विवेदी ने कहा कि भारत–नेपाल सीमा पर शांति, कानून–व्यवस्था एवं नागरिकों की सुरक्षा पुलिस और एसएसबी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। संयुक्त गश्त का उद्देश्य सीमा क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखना, अपराधों की रोकथाम करना तथा लोगों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्र में लगातार संयुक्त अभियान चलाए जा रहे हैं और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस या एसएसबी को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह, खुनुवा चौकी प्रभारी सुरेश यादव हेका अष्टवर्ती यादव, हेका रामशंकर गुप्ता, का अनिल गुप्ता सहित एसएसबी के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# छितही ग्राम पंचायत में लाखों की लागत से बना अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र बना शोपीस, बदहाली पर सो रहा केंद्र

दैनिक बुद्ध का संदेश/षषांक मिश्रा

खेसरहा। खेसरहा विकास क्षेत्र की ग्राम पंचायत छितही में लाखों रुपये की लागत से निर्मित अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र (वेस्ट मैनेजमेंट सेंटर) अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। गांव को स्वच्छ बनाने और घर–घर से निकलने वाले कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण के उद्देश्य से बनाए गए इस केंद्र का आज तक कोई उपयोग नहीं हो सका है। ग्रामीणों के मुताबिक केंद्र के निर्माण के बाद यहां एक भी बार कचरा एकत्र नहीं किया गया। उपयोग न होने के कारण भवन पूरी तरह उपेक्षा का शिकार हो गया है। केंद्र पर लगा टीन शेड टूटकर नीचे गिर चुका है, जिससे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंच रहा है। परिसर में गंदगी और झाड़ियां उग आई हैं, जिससे इसकी बदहाल स्थिति साफ नजर आ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार स्वच्छता अभियान और कचरा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लाखों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन संबंधित विभाग और ग्राम पंचायत की उदासीनता के चलते यह केंद्र केवल शोपीस बनकर रह गया है। यदि समय रहते इसकी मरम्मत और संचालन शुरू नहीं किया गया तो सरकारी धन पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा। ग्रामीण लालजी मिश्रा, शशिविंद मिश्र, बच्चूलाल, मिंटू सहित अन्य लोगों ने जिला प्रशासन से अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र की जांच कराते हुए इसे शीघ्र संचालित कराने तथा क्षतिग्रस्त टीन शेड की मरम्मत कराने की मांग की है। इस संबंध में ग्राम पंचायत सचिव जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि टूटे हुए टीन शेड को जल्द ही ठीक कराया जाएगा और केंद्र को संचालित करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी।



# खेसरहा के किसान करें ऑनलाइन बुकिंग, 50 फीसदी अनुदान पर किसानों को मिलेगा रबी फसलों का बीज



दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। .षि विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा रबी सीजन 2026–27 के लिए गेहूं, चना, मटर, मसूर, जौ, सरसों और अलसी समेत विभिन्न फसलों के बीज 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विभागीय पोर्टल हतपकंतींद.नच.हवअ.पद पर किसान निर्धारित तिथियों के भीतर आवेदन कर सकते हैं। विभाग के अनुसार तोरिया फसल के लिए बुकिंग 2 जुलाई से 16 अगस्त 2026 तक, दलहन एवं तिलहन फसलों के लिए 10 जुलाई से 10 सितंबर 2026 तक तथा गेहूं एवं अन्य फसलों के लिए 10 जुलाई से 30 सितंबर 2026 तक की जाएगी। किसानों का चयन ई–लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा और चयनित किसानों को अनुदानित दर पर बीज उपलब्ध कराया जाएगा। खेसरहा .षि विभाग के प्रमोद कुमार और पंकज गौतम ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक किसान समय से ऑनलाइन बुकिंग कर योजना का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि गुणवत्तापूर्ण बीजों के उपयोग से उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी और किसानों को कम लागत में बेहतर पैदावार प्राप्त होगी। .षि विभाग ने किसानों से स्वयं पंजीकरण करने और अन्य किसानों को भी इस योजना की जानकारी देकर लाभ दिलाने की अपील की है।

# मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 151 जोड़ों का हुआ विवाह, जनप्रतिनिधियों ने नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद









दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत शनिवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बगल स्थित मैदान में भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल सहित विधायक माता प्रसाद पाण्डेय, जय प्रताप सिंह, श्यामधनी राही, विनय वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन., मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इस अवसर पर कुल 151 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया, जिनमें 95 हिंदू, 36 बौद्ध और 20 मुस्लिम समुदाय के जोड़े शामिल रहे। हिंदू रीति–रिवाज से पंडितों ने विवाह संस्कार, मुस्लिम जोड़ों का मौलाना द्वारा निकाह तथा बौद्ध समुदाय के जोड़ों का विवाह उनके धार्मिक रीति–रिवाजों के अनुसार संपन्न कराया गया।सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल से गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह की चिंता दूर हुई है। उन्होंने नवदंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए जिला प्रशासन के माध्यम से उन्हें रोजगार एवं प्लेसमेंट दिलाने की घोषणा भी की। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने योजना को समाज के लिए उपयोगी बताते हुए अधिक से अधिक पात्र लोगों को इसका लाभ लेने की अपील की।विधायक जय प्रताप सिंह, श्यामधनी राही, विनय वर्मा, पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह तथा भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है।जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने बताया कि प्रत्येक नववधू के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से 64 हजार रुपये भेजे जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त 21 हजार रुपये की गृहस्थी सामग्री तथा 15 हजार रुपये बारात स्वागत व्यवस्था पर व्यय किए गए हैं। नवदंपतियों को साड़ी, कपड़े, बर्तन, कूकर, ट्रॉली बैग, सीलिंग फैन, कंबल, गद्दा, तकिया, डिनर सेट, दीवार घड़ी, प्रेस, वैनिटी किट सहित अन्य उपयोगी घरेलू सामग्री और सूखे मेवे भी प्रदान किए गए।समारोह में सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को सुखद वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया।

कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि एस.पी. अग्रवाल, डीडीओ राजमणि वर्मा, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह, सभी खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# सम्पादकीय

# ज़्यादा अल्कोहल वाली दवाओं का नियमन सराहनीय

**इसके अलावा फार्मेसियों को भी इस बाबत जवाबदेह बनाना जरूरी हो जाता है। जिसके लिये ऐसी दवाइयों की बिक्री के रिकॉर्ड को डिजिटल करना भी आवश्यक है ताकि नियामक तंत्र इनकी बिक्री की निगरानी कर सके। निस्संदेह, डॉक्टरों का भी नैतिक दायित्व है कि वे जरूरतमंद लोगों को ये दवाइयां सोच–समझकर ही लिखें। साथ ही इससे होने वाले खतरों के बारे में भी मरीजों ...**

सार्वजनिक विमर्श में लंबे समय से मांग की जाती रही है कि ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली दवाओं का सख्ती से नियमन किया जाए। दरअसल, नशे की लत छुड़ाने के प्रयासों के दौरान इन दवाओं का दुरुपयोग किया जाता रहा है। साथ ही जिन राज्यों में नशाबंदी लागू है, वहां भी उनके गलत इस्तेमाल की शिकायतें मिलती रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार का ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली पीने वाली दवाइयों व सिरप की बिक्री पर सख्ती करने का फैसला, एक जरूरी सुधार है। निश्चय ही इस कदम से लंबे समय से इन दवाइयों के गलत इस्तेमाल की प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी। दरअसल, 12 प्रतिशत से ज्यादा एथिल अल्कोहल मात्रा के साथ बड़ी बोतल में मिलने वाली दवाइयों के लिये अब लाइसेंस, डॉक्टर की पर्ची और रिकॉर्ड रखने के नियम कड़े करके सरकार ने जरूरी पहल की है। आखिरकार सरकार ने उस सच्चाई को स्वीकार कर लिया है, जिसे रेगुलेटर लंबे समय से नजरअंदाज कर रहे थे। यह हकीकत है कि इन दवाओं का नियमन व निगरानी कायदे की न होने से ये दवाएं नशा करने का जरिया भी बन रही थीं। निश्चित रूप से ये नये नियम मरीजों की दवा तक पहुंच और जन–सुरक्षा के बीच समझदारी भरा संतुलन बनाते हैं। इसका मतलब ये है कि जिन्हें वास्तव में इन दवाइयों की जरूरत है, उन्हें ये दवाइयां डॉक्टर की देखरेख में सहज उपलब्ध हो सकेंगी। वहीं दूसरी ओर इन दवाइयों का दुरुपयोग गलत कार्य के लिये करने वालों की इन तक पहुंच मुश्किल हो जाएगी। निश्चय ही यह वक्त की जरूरत थी क्योंकि किशोर और नशे की लत से जूझ रहे लोग अक्सर ऐसी दवाइयों को शराब के सस्ते विकल्प के तौर पर इस्तेमाल करने लगते हैं। जनमानस में उपचार के लिये आम बोलचाल में प्रचलित शब्द 'दवा–दारू', वास्तव में ऐसे नशेड़ियों के लिये नशे का मौका उपलब्ध कराने का जरिया बन जाता था। इस पर अंकुश लगाना निश्चिय ही स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, एम्स दिल्ली के नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर ने नशीले पदार्थों की लत छुड़ाने के लिये इलाज करा रहे लोगों के बीच इन दवाइयों व कफ सिरफ आदि के अनुचित इस्तेमाल का पर्याप्त रिकॉर्ड रखा है। इतना ही नहीं, जन स्वास्थ्य से जुड़े कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी इस बाबत चिंता जाहिर कर चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो बाकायदा चेतावनी दी है कि जिन जगहों पर सामान्य शराब महंगी होती है या नशाबंदी लागू होने से आसानी से उपलब्ध नहीं होती है, वहां अधिक अल्कोहल वाली दवाइयों के दुरुपयोग की लगातार संभावना बनी रहती है। जो इस बात की ओर स्पष्ट संकेत करता है कि जैसे–जैसे नशीले पदार्थों के रूप में दवाइयों का दुरुपयोग बढ़ता है, वैसे–वैसे ही नियमों में बदलाव करना अपरिहार्य हो जाता है। बहरहाल, कागजों पर नियम बना देना तो मात्र एक शुरुआत भर है। सबसे जरूरी है कि इन नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। साथ ही निगरानी तंत्र को भी मजबूत बनाने की जरूरत है। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि नियमों को तोड़कर दवा के दुरुपयोग की कोशिश करने वालों की निगरानी के लिये ड्रग इंस्पेक्टरों की पर्याप्त संख्या हो। इसके अलावा फार्मेसियों को भी इस बाबत जवाबदेह बनाना जरूरी हो जाता है। जिसके लिये ऐसी दवाइयों की बिक्री के रिकॉर्ड को डिजिटल करना भी आवश्यक है ताकि नियामक तंत्र इनकी बिक्री की निगरानी कर सके। निस्संदेह, डॉक्टरों का भी नैतिक दायित्व है कि वे जरूरतमंद लोगों को ये दवाइयां सोच–समझकर ही लिखें। साथ ही इससे होने वाले खतरों के बारे में भी मरीजों को अवगत कराएं। इन बोतलों पर दवा का लेबल लगाने का अंतिम निष्कर्ष यह नहीं है कि वे पूरी तरह से सुरक्षित हैं। बहरहाल, नियमों में बदलाव सरकार की एक बुनियादी जिम्मेदारी को ही दर्शाता है। जो यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि इलाज के लिए उपयोग होने वाले उत्पादों से लोगों को फायदा ही हो, नुकसान नहीं। निस्संदेह, सरकार ने सही दिशा में कदम उठाया है। अब इस नियम को सख्ती से लागू करने का पक्का इरादा भी दिखाना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो इस रोग का पूरा इलाज नहीं हो पायेगा।

# अफवाहों के दौर में बंद होने का राज

वे क्यों बंद हुई थीं, कोई नहीं जानता। शायद अफवाहों के चलते। किसी अफवाह के साथ खौफ मिल जाए तो पूरे के पूरे शहर बंद हो जाते हैं, फिर टिर्री क्या है जनाब! पिछले दिनों सोशल मीडिया पर यह हंगामा बरपा रहा जी कि टिर्रियां बंद हो रही हैं। टिर्री यानी बैटरी रिक्शा। लेकिन टिर्रियां ऐसे बंद नहीं हो रही थी, जैसे अचानक कुछ बुजुर्गों की पेंशन बंद हो जाती है कि फर्जी है, जैसे अचानक कुछ गरीबों का राशन बंद हो जाता है कि राशनकार्ड फर्जी है, जैसे अचानक महिला सम्मान निधि बंद हो जाती है कि सरकार पहले समीक्षा करेगी, जैसे अचानक मंडी में किसानों की फसल की खरीद बंद हो जाती है। टिर्रियां ऐसे भी बंद नहीं हुई थीं कि जैसे इधर अचानक गांव का कोई सरकारी स्कूल बंद हो जाता है कि समुचित संख्या में विद्यार्थी ही पढ़ने नहीं आ रहे और फिर जो पढ़ने जा रहे थे, वे भी पढ़ाई छोड़कर घर बैठ जाते हैं, जैसे अचानक कोई फैक्टरी बंद हो जाती है और मजदूर बेरोजगार हो जाते हैं। सचमुच टिर्रियां ऐसे बंद नहीं हो रही थीं। वे क्यों बंद हुई थीं, कोई नहीं जानता। शायद अफवाहों के चलते। किसी अफवाह के साथ खौफ मिल जाए तो पूरे के पूरे शहर बंद हो जाते हैं, फिर टिर्री क्या है जनाब! तो अचानक यह अफवाह खौफ की तरह घूमने लगी कि कोई मोबाइल फोन से टिर्रियों को बंद कर रहा है। किसी ने कहा कि कोई चाइनीज एप है, जिससे टिर्रियों को बंद किया जा रहा है। वैसे भी यह खौफ के दिन हैं। मंदिरों के चढ़ावे तक पर डाके पड़ रहे हैं। ऐसे में अगर किसी चीनी एप की अफवाह इस तरह फैल जाए तो खौफ कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे लगने लगता है जैसे गलवान घाटी में चीनी सैनिक घुस आए हों। तो जी टिर्रियों के बंद होने का हंगामा ऐसा था कि धड़ाधड़ मीम बनने लगे। रीलें बनने लगीं। आखिरकार सरकार को कुछ चीनी एप बंद करने पड़े। लेकिन जनाब इतना हंगामा तो इथेनॉल की मिलावट से गाड़ियों के बंद होने पर भी नहीं हुआ, जितना टिर्रियों के बंद होने पर हुआ। इथेनॉल की मिलावट से गाड़ियां तो टिर्रियों के बंद होने से पहले से ही बंद हो रही बताते हैं। कोई कहता है कि गाड़ियां माइलेज कम देने लगी हैं, कोई कहता है गाड़ियों के इंजन खराब हो रहे हैं। जैसे टिर्रियों के बंद होने का आरोप चीन पर जा लगा, वैसे ही पेट्रोल की गाड़ियों के खराब होने का आरोप इथेनॉल से शुरू होकर सरकार तक जा पहुंचा। सरकार चीनी एप तो बंद कर सकती है, पर इथेनॉल कैसे बंद करे। अरे नहीं, गडकरीजी का क्या दोष! खैर जी, टिर्रियों के बंद होने पर हंगामा हुआ, गाड़ियों के खराब होने पर भी हंगामा हुआ। टिर्रियोंवाला हंगामा अल्पजीवी साबित हुआ, लेकिन ऐसा लगता है कि इथेनॉल से गाड़ियों के खराब होने वाला हंगामा काफी दीर्घजीवी होने जा रहा है।

# विधिक बिरादरी के लिए 'वेकअप कॉल'

**एकेडमी की सफलता के लिए 'सार्वजनिक–निजी भागीदारी' का मश्वडल सबसे प्रभावी होगा। इसमें शीर्ष लश्व फर्मों और अनुभवी वकीलों को 'गेस्ट लेक्चरर' के रूप में जोड़कर व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जा सकता है। न्यायिक प्रणाली में 'नेशनल लीगल एकेडमी' की स्थापना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो कानूनी पेशे को केवल 'पढ़ाई' तक सीमित न रखकर इसे एक 'थिंक टैंक' में बदल सकती है।...**

कानून स्थिर नहीं है, यह जीवित है और समय के साथ बदलता रहता है। एक वकील के लिए उसकी डिग्री केवल एक प्रवेश द्वार है, लेकिन असली परीक्षा अदालत के फर्श पर हर दिन होती है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में 'अजय विज बनाम इंडियन बैंक्स एसोसिएशन' (2026) मामले में जो टिप्पणी की, वह महज एक न्यायिक आदेश नहीं है, बल्कि भारतीय विधिक बिरादरी के लिए एक अत्यंत गंभीर 'वेकअप कॉल' है। यह मामला केवल एक वकील का निजी विवाद नहीं, बल्कि भारतीय न्याय प्रणाली की एक गंभीर खामी को उजागर करने वाला एक ऐतिहासिक घटनाक्रम है। एक वकील की कानूनी राय को 'लापरवाही' मानकर उसे 'कॉशन लिस्ट' में डालना, वकील की बदलती भूमिका और उसकी व्यावसायिक जवाबदेही पर बड़े प्रश्नचिह्न लगाता है। यह निर्णय बताता है कि वकील अब केवल अपने मुवक्किल का पक्ष रखने वाला व्यक्ति नहीं रह गया है, बल्कि वह एक 'विशेषज्ञ' बन गया है, जिसकी एक छोटी–सी गलती भी पूरी न्याय व्यवस्था की साख पर सवाल खड़ा कर सकती है। आज के डिजिटल युग में, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बदलता वैश्विक परिदृश्य कानून के स्वरूप को निरंतर नया आकार दे रहे हैं, क्या केवल पुरानी किताबों के ज्ञान से न्याय की रक्षा संभव है? सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश कि वकीलों के लिए 'कंटीन्यूइंग लीगल एजुकेशन' अनिवार्य हो और एक 'नेशनल लीगल एकेडमी' की स्थापना की जाए, भारतीय न्याय व्यवस्था की गुणवत्ता को वैश्विक स्तर पर ले जाने की दिशा में एक साहसी और दूरदर्शी कदम है।

कानून का पेशा केवल बहस करना नहीं है, बल्कि यह एक 'पवित्र विश्वास' है, जिसे बनाए रखने के लिए निरंतर विकास अनिवार्य है। आज के इस 'ज्ञान युग' में, कानूनों, तकनीक और विनियामक ढांचों में इतनी तेजी से बदलाव हो रहे हैं कि वर्षों पहले अर्जित किया गया ज्ञान आज पूरी तरह अप्रासंगिक हो सकता है। इसके साथ ही, कानूनी क्षेत्र में तकनीकी पिछड़ापन एक बड़ी चुनौती बना हुआ है, जिसे दूर करना समय की मांग है। आज के आधुनिक वकील के लिए ई–कोर्ट्स, वर्चुअल हियरिंग, ऑनलाइन केस मैनेजमेंट और कानूनी डेटा विश्लेषण में दक्ष होना केवल कौशल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि आवश्यकता है। इसके अलावा, अदालती शिष्टाचार, मुवक्किल के प्रति जवाबदेही और अनैतिक प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए निरंतर नैतिक प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है, ताकि इस पेशे की गरिमा हमेशा बनी रहे। अमेरिका और कनाडा जैसे देशों में 'मैन्डेटरी कंटीन्यूइंग लीगल एजुकेशन' लागू है। वहां वकीलों के लिए अपने लाइसेंस को बनाए रखने हेतु हर साल निश्चित घंटों की कानूनी शिक्षा या सेमिनार में भाग लेना अनिवार्य होता है। इसी तरह, सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया में बार एसोसिएशन और सरकार के सहयोग से 'निरंतर पेशेवर विकास' कार्यक्रमों को कड़ाई से लागू किया जाता है, जहां इन क्रेडिट्स को पूरा न करने पर वकील के अभ्यास करने के अधिकार को अस्थायी रूप से निलंबित तक किया जा सकता है। भारत में कानूनी पेशे का विस्तार तेजी से हुआ है, लेकिन गुणवत्ता उस अनुपात में नहीं बढ़ सकी है। आज देश में वकीलों की संख्या 20 लाख के आंकड़े को पार कर गई है और हर वर्ष हजारों युवा कानून की डिग्री लेकर इस क्षेत्र में आ रहे हैं। दूसरी ओर, भारतीय अदालतों में लंबित मामलों का बोझ 5 करोड़ से भी अधिक हो चुका है। वकीलों की संख्या में अनियंत्रित वृद्धि के कारण प्रति व्यक्ति 'प्रोफेशनल स्किल डेवलपमेंट' के अवसर सीमित हो गए हैं। 'नेशनल लीगल एकेडमी' का उद्देश्य केवल वकीलों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि उन्हें निरंतर प्रशिक्षण और कौशल उन्नयन के माध्यम से 'सक्षम वकीलों की फौज' में बदलना है। यह एकेडमी नए वकीलों के लिए एक 'मेंटरशिप हब' के रूप में कार्य करेगी, जहां वरिष्ठ अधिवक्ता अपने व्यावहारिक अनुभव साझा करेंगे। इस प्रयास से किताबी ज्ञान और अदालती हकीकत के बीच की खाई मिटेगी और मुकदमों के जल्द निस्तारण की दर में 15 से 20 प्रतिशत तक की महत्वपूर्ण वृद्धि संभव हो सकेगी। बार काउंसिल ऑफ इंडिया को कानूनी पेशे के मानकों को ऊंचा उठाने के लिए एक 'सुपर–रेगुलेटर' के रूप में अपनी भूमिका को सशक्त बनाना होगा। इसके कार्यान्वयन हेतु सबसे पहले वकीलों के लिए एक अनिवार्य क्रेडिट–आधारित प्रणाली लागू की जानी चाहिए, जिसके तहत हर वकील के लिए प्रतिवर्ष 20 से 30 घंटे का प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य हो। इस शिक्षा को सुलभ बनाने के लिए एक हाइब्रिड लर्निंग मॉडल अपनाना आवश्यक है, जहां नेशनल लीगल एकेडमी को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से जोड़कर दूरदराज के क्षेत्रों के वकीलों तक पहुंचाया जा सके।

# विशेषज्ञों का अध्ययन दूर करेगा इथेनॉल के भ्रम

**दरअसल, दिल्ली में कुल गाड़ियों में दुपहिया का अंश 62 फीसदी है, लेकिन वाहन चालन से पैदा होने वाले पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) उत्सर्जन में उनका अंश मात्र 15 प्रतिशत है। नेशनल इंस्टिट्यूट अश्वफ एडवांस्ड स्टडीज, बेंगलुरु के गुफरान बेग द्वारा प्रकाशित 2025 नीति सारांश अनुसार, हल्के और भारी व्यावसायिक वाहनों का अंश परिवहन उत्सर्जन में 39 प्रतिशत है, जबकि शहर की कुल ...**

अगर इथेनॉल–मिश्रित पेट्रोल से कारों की ईंधन दक्षता कम होती है तो इससे आर्थिक लागत बढ़ेगी। कृषि–खाद्य विशेषज्ञ चेता रहे हैं कि इथेनॉल मिश्रण से खाद्य सुरक्षा पर असर पड़ेगा। किसान खाद्य फसलों के बजाय ज़्यादा पानी खर्च करने वाली गन्ने की खेती की ओर बढ़ रहे हैं। इथेनॉल–मिश्रित पेट्रोल को तेजी से बढ़ावा देने की सरकारी नीति हाल के हफ्तों में लोगों की कड़ी आलोचना का निशाना है, हालांकि, यह नीति 2022 से लागू है। 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का मूल लक्ष्य 2030 तक हासिल करना था, लेकिन समयपूर्व 2025 कर दिया गया। इस नीति के फायदों के बारे में कई दावे किए जा रहे हैंकृऊर्जा सुरक्षा और विदेशी मुद्रा की बचत से लेकर किसानों के कल्याण तक। फिर भी, वाहन मालिक इंजन खराब होने और माइलेज कम होने की शिकायत कर रहे हैं। अपने बचाव में, सरकार का कहना है कि यह नीति सबूतों पर आधारित है और डेटा समर्थित है, जिसमें अधिकांशतः पेट्रोलियम संगठनों के बेनामी और अप्रकाशित अध्ययनों का हवाला दिया गया है। वाहनों पर इथेनॉल–मिश्रित ईंधन के असर के दावों को साबित करने के लिए कोई स्वतंत्र अथवा विशेषज्ञों द्वारा जांचा–परखा अध्ययन मौजूद नहीं है। अगर इथेनॉल–मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल करने वाली कारों की फ्यूल एफिशिएंसी (ईंधन दक्षता) कम हैकृजैसा कि अब कार निर्माता भी मान रहे हैंकृऔर इंजन खराब हो रहे हैंकृजैसा कि वाहन मालिक शिकायत कर रहे हैंकृतो इससे आर्थिक लागत बढ़ेगी। इसके अलावा, कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इथेनॉल मिश्रण से खाद्य सुरक्षा पर असर पड़ेगा, क्योंकि किसान खाद्य फसलों के बजाय ज़्यादा पानी खर्च करने वाली गन्ने की खेती की ओर बढ़ रहे हैं। इथेनॉल की बढ़ती मांग के मद्देनजर निर्माता कंपनियां मक्का और चावल का इस्तेमाल कच्चे माल के तौर पर कर रही हैं। सरकार को नीति के लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट होना जरूरी है और इसके फायदों के बारे में ठोस सबूत पेश करने चाहिए, न कि आलोचकों पर गलत इरादे का आरोप मढ़ देना या इसके नकारात्मक प्रभावों को लेकर लोगों के गुस्से को नजरअंदाज करना।

लोग अक्सर ब्राजील का उदाहरण देते हैं, जहां 1980 के दशक में इथेनॉल मिश्रण शुरू किया गया था। इसके दीर्घकालीन असर अब जाकर सामने आ रहे हैं। यह नीति 1970 के दशक में चीनी के फालतू उत्पादन का सीधा नतीजा थी और इसे चीनी लॉबी के दबाव में शुरू किया गया था। पिछले चार दशकों में, इसने वहां जमीन के इस्तेमाल में भारी बदलाव किया है, नतीजतन, ईंधन फसलों के लिए जगह बनाने के वास्ते अमेजन के जंगलों की कटाई के कारण भारी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन हुआ है। वैसे भी, बड़े पैमाने पर ऊर्जा फसलों की खेती के लिए भारत की जलवायु और मिट्टी की स्थिति ब्राजील जैसी नहीं है। किसी भी नई तकनीक की तरह, ग्रीन तकनीक को भीकृ चाहे वह इथेनॉल–मिश्रित पेट्रोल हो या इलेक्ट्रिक गाड़ियांकृव्यापक पैमाने पर लागू करने पर अनचाहे बुरे असर हो सकते हैं। जैसे किसी नई वैक्सीन या दवा को लाने से पहले क्लिनिकल ट्रायल किए जाते हैं, वैसे ही सभी नई तकनीकों का अलग–अलग स्थितियों में कुछ समय तक फील्ड–टेस्ट किया जाना चाहिए, और उससे मिले डेटा का विश्लेषण करवाने को स्वतंत्र विशेषज्ञों को दिया जाए। परिवहन अर्थव्यवस्था का एक अहम अंग है, और किसी भी नई तकनीक को लागू करने से पहले उसकी कई पहलुओं से जांच होनी चाहिए और सिर्फ वाहन निर्माता ही नहीं, बल्कि सभी हितधारकों के साथ उस पर चर्चा होनी चाहिए। यह काफी चौंकाने वाली बात है कि सरकार ने अपने बचाव में वाहन निर्माता कंपनियों को उन शिकायतों का जवाब देने के लिए बुलायाकृजो वाहन का उपयोग करने वाले कह रहे हैंकृजैसे कि माइलेज में कमी और गाड़ियों के धातु एवं रबर पुर्जों का खराब होना। दुनिया भर में वाहन निर्माता डेटा में हेरफेर करने के लिए कुख्यात हैं, जैसा कि 2015 में अमेरिका में फॉक्सवैगन एमिशन स्कैंडल में यह सामने आया था। कार बनाने वाली इस कंपनी ने अपनी कारों के डीजल इंजन को कुछ इस तरह प्रोग्राम किया था कि टेस्टिंग के दौरान उत्सर्जन सीमा नियंत्रण में दिखे ताकि नियामक मानकों पर खरा उतरता दिखाई देय नतीजतन, 40 गुना ज़्यादा प्रदूषण पैदा करने वाली कारों को भी मानकों के भीतर पाया मानकर स्वीकृति दे दी गई।

अगर पेट्रोलियम मंत्री के दावे के मुताबिक इथेनॉल नीति वाकई वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है, तो सरकार को उन तमाम अध्ययनों के नतीजे सार्वजनिक करने चाहिए, जो ईंधन की क्षमता, अलग–अलग पुर्जों और इंजन पर मिश्रित ईंधन के दीर्घकालीन प्रभाव और अलग–अलग तरह की गाड़ियों पर अलग–अलग परिचालन स्थितियों में परीक्षण डेटा को जांचने के लिए किए गए हों। इसके अलावा, हमें इथेनॉल–मिश्रित ईंधन के पर्यावरण के अनुकूल होने के बारे में वैज्ञानिक सुबूत चाहिए, जो कि इथेनॉल के संपूर्ण पर्यावरणीय एवं कार्बन फुटप्रिंट पर आधारित हो कृ यानी कच्चे ईंधन के उत्पादन से लेकर कारों में वास्तविक इस्तेमाल होने तक। फिर, हमें मिश्रित ईंधन के इस्तेमाल करने पर लागत–लाभ विश्लेषण की जरूरत है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि माइलेज गिरने की चिंताएं हैं। अगर माइलेज 5 प्रतिशत भी कम हो जाती है और कार उपयोग करने वालों को ज़्यादा पेट्रोल खरीदना पड़ता जाए, तो आर्थिक फायदों और विदेशी मुद्रा की बचत के दावे हवा हो जाते हैं। दिल्ली सरकार की इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी के मामले में भी ऐसी ही बातें लागू होती हैं। यह पॉलिसी मुख्यतः दुपहिया और तिपहिया केंद्रित है। इसमें पेट्रोल से चलने वाली नई मोटरसाइकिलों और आटो–रिक्शा के पंजीकरण को बंद करने की समय–सीमा तय कर दी गई है। मुख्यमंत्री के दावे में इस कदम को सही ठहराने के लिए चुनिंदा डेटा का सहारा लिया है।

# कार्यालय नगर पंचायत कपिलवस्तु जनपद- सिद्धार्थनगर

**अति अल्पकालीन निविदा सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद–सिद्धार्थनगर में निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा नगर पंचायत कपिलवस्तु कार्यालय को जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन प्राप्त हुआ है। इन आवेदन पत्रों की जांच नगर पंचायत कपिलवस्तु के कर्मचारी के द्वारा की गई है। यदि किसी व्यक्ति को इनमें से किसी भी आवेदन पत्र के सन्दर्भ में कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति के प्रकाशन के दिनांक से 07 दिवस के अन्दर कार्यालय नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद–सिद्धार्थनगर में लिखित रूप से सक्ष्य के साथ प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी। सूची निम्नवत है:–

| क्र. सं. | नाम | पिता/पति का नाम | आवेदक का नाम | जन्म/ मृत्यु दिनांक | जन्म/ मृत्यु स्थान | आवेदन का प्रकार |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | एकता | हरीशंकर गौतम | साधना | 02.12.2019 | वार्ड नं.06 शुद्धोधन नगर (शिवपुर) | जन्म प्रमाण पत्र |
| 2 | आसमा | चिनकू | चिनकू | 01.01.2015 | वार्ड नं.12 राम जानकी नगर | जन्म प्रमाण पत्र |
| 3 | आर्यन | सुरेन्द्र | सुरेन्द्र | 15.11.2019 | वार्ड नं.12 राम जानकी नगर (मटियरिया) | जन्म प्रमाण पत्र |
| 4 | शिवांगी | अनिल साहनी | माधुरी | 09.06.2019 | वार्ड नं.13 कृष्णा नगर (सूर्यकुड़िया) | जन्म प्रमाण पत्र |
| 5 | मोहम्मद आवेज | मोहम्मद रफीक | मोहम्मद रफीक | 29.04.2016 | वार्ड नं.10 सुभाष नगर (महदेइया) | जन्म प्रमाण पत्र |
| 6 | अनाबिया | मोहम्मद रफीक | मोहम्मद रफीक | 22.09.2019 | वार्ड नं.10 सुभाष नगर (महदेइया) | जन्म प्रमाण पत्र |
| 7 | मो0अहमद | अब्दुस्सलाम | अब्दुस्सलाम | 25.07.2000 | वार्ड नं.14 पं0दीनदयाल नगर (लेदवा) | जन्म प्रमाण पत्र |
| 8 | हबीबा तय्यबा | अब्दुस्सलाम | अब्दुस्सलाम | 18.08.2004 | वार्ड नं.14 पं0दीनदयाल नगर (लेदवा) | जन्म प्रमाण पत्र |
| 9 | फहमीदा तैयबा | अब्दुस्सलाम | अब्दुस्सलाम | 01.01.2008 | वार्ड नं.14 पं0दीनदयाल नगर (लेदवा) | जन्म प्रमाण पत्र |
| 10 | अलफाज | मुबारक हुसेन | अफसाना खातून | 16.09.2019 | वार्ड नं. 12 राम जानकी नगर | जन्म प्रमाण पत्र |
| 11 | सलोनी | दिनेश | सरिता | 18.02.2015 | वार्ड नं.02 अम्बेडकर नगर( बिहारीपुर) | जन्म प्रमाण पत्र |
| 12 | मोहम्मद तौहीद खान | मोहम्मद हबीब | किस्मतुन्निशा | 12.08.2013 | वार्ड नं.01 वाल्मीकि नगर (सहिजनवा) | जन्म प्रमाण पत्र |

**अधिशासी अधिकारी**
**नगर पंचायत कपिलवस्तु**
**जनपद– सिद्धार्थनगर**

**अध्यक्ष**
**नगर पंचायत कपिलवस्तु**
**जनपद– सिद्धार्थनगर**

पत्रांक : 789 / न0पं0कपिल0सि0 / 2026–27 | दिनांक 09 / 07 / 2026

# मिकेल मेरिनो फिर चमके, स्पेन ने बेल्जियम को 2–1 से हराकर विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया

मिकेल मेरिनो एक बार फिर स्पेन के लिए संकटमोचक बनकर उभरे हैं। मेरिनो लगातार दूसरे मैच में स्पेन के

खेल के 88वें मिनट में मेरिनो द्वारा किए गए शानदार गोल की बदौलत स्पेन ने बेल्जियम को 2–1 से रोमांचक शिकस्त देकर विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। अब सेमीफाइनल में मंगलवार को डलास में स्पेन का सामना टूर्नामेंट की सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही फ्रांस की टीम से होगा। मेरिनो लगातार दूसरे मैच में स्पेन के लिए निर्णायक भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी साबित हुए। स्पेन सेमीफाइनल में मंगलवार को डलास में टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार फ्रांस का सामना करेगा। मेरिनो 86वें मिनट में मैदान पर आए और उन्होंने तुरंत ही गोल कर दिया। उन्होंने बॉक्स में घुसकर तब गोल दागा जब लैमेंस पाउ कुबार्सी के लंबे शॉट के रिबाउंड को नहीं रोक पाए थे। मेरिनो ने पिछले मैच में स्पेन की पुर्तगाल पर 1–0 की जीत मेंइंजरी टाइम के शुरुआती समय में सब्स्टीट्यूट के रूप में मैदान पर आकर गोल भी किया। गोलकीपर लैमेंस को 71वें मिनट में मैदान में उतरना पड़ा, क्योंकि बेल्जियम के लंबे समय से गोलकीपर रहे थिबाउट कर्टोइस जांघ में चोट लगने के कारण मैदान से बाहर चले गए थे। बेल्जियम ने अंतिम मिनटों में बराबरी का गोल करने के लिए जीजान से प्रयास किया, लेकिन आयमेरिक लापोर्टे ने सर्वश्रेष्ठ मौके पर बाहर शॉट से मार दिया। स्पेन के लिए फैबियान रुइज ने 30वें मिनट में गोल किया। बेल्जियम के फॉरवर्ड चार्ल्स डी केटेलेरे ने 41वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। यह टूर्नामेंट में पहला अवसर है जबकि स्पेन ने गोल खाया। स्पेन मार्च 2023 से लगातार 37 मैचों में अजेय रहा है।

# मंडलायुक्त ने ग्राम्य विकास संस्थान के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।विंध्याचल मंडल के मंडलायुक्त राजेश प्रकाश ने शनिवार को मेडिकल कॉलेज के समीप निर्माणाधीन ग्राम्य विकास संस्थान, सोनभद्र के आवासीय एवं अनावासीय भवनों के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और पाया कि निर्माण कार्य अपेक्षित गति से नहीं चल रहा है। इस पर उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्था एवं ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्माण कार्य में तत्काल तेजी लाने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली इस परियोजना को निर्धारित समय–सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि आवासीय भवन, प्रशासनिक भवन, छात्रावास, बाउंड्री वॉल, आंतरिक सड़क, जलापूर्ति, विद्युत, ड्रेनेज एवं अन्य सभी सहायक कार्यों को तय कार्ययोजना के अनुसार शीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न करने तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# अर्जेंटीना को हराने के लिए स्विट्जरलैंड ने ढूँढ निकाली कमजोरियाँ!

स्विट्जरलैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर–फाइनल में मौजूदा चौंपियन अर्जेंटीना और लियोनेल मेसी का सामना करने की चुनौती को स्वीकार किया है, लेकिन उन्हें भरोसा है कि उन्होंने ऐसी कमजोरियाँ ढूँढ ली हैं जिनकी मदद से वे शनिवार को होने वाले मुकाबले में उलटफेर कर सकते हैं। अर्जेंटीना ने राउंड ऑफ 16 में मिस्र के खघ्लिाफ 3–2 से रोमांचक वापसी करते हुए जीत हासिल की और अंतिम आठ में जगह बनाई, जबकि स्विट्जरलैंड ने पेनल्टी शूटआउट में कोलंबिया को हराकर 1954 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

स्विस मिडफील्डर डेनिस जकारिया ने अर्जेंटीना को दुनिया की सबसे अच्छी टीम बताया, लेकिन साथ ही उन्हें भरोसा है कि स्विट्जरलैंड की टीम लियोनेल स्कालोनी की टीम का मुकाबला कर सकती है। रॉयटर्स के मुताबिक, जकारिया ने पत्रकारों से कहा कि अगर हम उन्हें हराना चाहते हैं, तो हमें बहुत शानदार प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि जाहिर है, ऐसे खिलाड़ी को रोकना हमेशा मुश्किल होता है, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे पास ऐसा करने की काबिलियत और खिलाड़ी दोनों हैं। मेसी शानदार फॉर्म के साथ क्वार्टर फाइनल में उतर रहे हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में आठ गोल किए हैं और गोल्डन बूट की रेस में फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे के साथ बराबरी पर हैं। उन्होंने मिस्र के खिलाफ अर्जेंटीना की जबरदस्त वापसी में भी अहम भूमिका निभाईय पहले पेनल्टी चूकने के बाद उन्होंने गोल किया और फिर एंजो फर्नांडीज ने विनिंग गोल दागा। मेसी के शानदार खेल के बावजूद, जकारिया ने कहा कि स्विट्जरलैंड सिर्फ आठ बार के बैलन डीश्ओर विजेता पर ही ध यान नहीं देगा। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि मेसी दुनिया के सबसे अच्छे या बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं, लेकिन

असल में अर्जेंटीना सिर्फ मेसी नहीं है। दूसरे खिलाड़ी भी अच्छे हैं, और हम जानते हैं कि हमें सिर्फ मेसी पर ही ध्यान नहीं देना है। फॉरवर्ड जेकी अमदौनी ने भी इसी बात को दोहराते हुए कहा कि स्विट्जरलैंड ने मौजूदा वर्ल्ड चौंपियन के खिलाफ फायदा उठाने के लिए कुछ कमजोरियाँ पहचान ली हैं। अमदौनी ने कहा कि हमने उनका अध्ययन किया है, और आज भी ऐसा करना जारी रखेंगे। मुझे लगता है कि वहाँ जगह है, और अगर हम आज यहाँ हैं तो इसलिए हैं क्योंकि हम भी उन्हें नुकसान पहुँचा सकते हैं। स्विस फॉरवर्ड ने इस बात को खारिज कर दिया कि उनके साथी खिलाड़ी मेसी से बहुत ज़्यादा प्रभावित या डरे हुए थे। जर्मनी के पूर्व गोलकीपर जेन्स लेहमैन ने दावा किया था कि स्विस खिलाड़ी मेसी को हराने के बजाय उनकी शर्ट लेने में ज़्यादा दिलचस्पी ले रहे थे।

# आग लगाने में दो भाइयों को 10 साल की कैद

जौनपुर । अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ रुपाली सक्सेना की अदालत ने 12 साल पुराने आगजनी के एक मामले में दो भाई रामलोचन और रामजनम को सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। यह घटना नेवढ़िया थाना क्षेत्र के जेठपुरा गांव में हुई थी।न्यायालय ने दोनों दोषियों पर दस–दस हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह जुर्माने की राशि वादी को मुआवजे के तौर पर देने का आदेश दिया गया है।जेठपुरा निवासी दिल मोहन ने 1 दिसंबर 2014 को नेवढ़िया थाने में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया था कि शाम करीब 6बजे जमीन के पुराने विवाद के कारण रामलोचन, रामजनम और छोटेलाल ने उनके रिहायशी मड़हे में मिट्टी का तेल छिड़क कर आग लगा दी थी। इस आगजनी की घटना में दिल मोहन का रजाई, गद्दा और चारपाई जलकर राख हो गए थे। इसके अलावा, दो गर्भवती भैंसों की भी झुलसने से मौत हो गई थी। पुलिस ने मामले की गहन विवेचना की और केस डायरी अदालत में दाखिल की।अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और पत्रावली में मौजूद साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद रामलोचन और रामजनम को

# थाना खेसरहा की सीपीयू टीम ने वरिष्ठ नागरिकों संग की गोष्ठी,किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन द्वारा चलाए

जा रहे कम्यूनिटी पुलिसिंग यूनिट (सीपीयू) अभियान के तहत शनिवार को थाना खेसरहा पुलिस ने ग्राम नासिरगंज में वरिष्ठ नागरिकों के साथ जनसंवाद एवं गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों से उनकी समस्याओं, स्वास्थ्य एवं कुशलक्षेम की जानकारी ली गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के आदेश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेंदु सिंह के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में आयोजित गोष्ठी में उपस्थित ग्रामीणों को कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, साइबर अपराधों से बचाव, महिला सुरक्षा, बाल अपराधों की रोकथाम, नशा मुक्ति, यातायात नियमों के पालन तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक पोस्ट साझा न करने के संबंध में जागरूक किया गया। सीपीयू टीम ने लोगों को बताया कि साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं तथा किसी भी आपराधिक गतिविधि या संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को दें। आपातकालीन सहायता के लिए डायल–112 समेत अन्य हेल्पलाइन नंबरों की भी जानकारी दी गई। गोष्ठी के दौरान ग्रामीणों ने किसी अन्य समस्या की जानकारी नहीं दी। पुलिस टीम ने उपस्थित लोगों को सीपीयू टीम के संपर्क नंबर भी उपलब्ध कराए और कहा कि जागरूकता, सतर्कता और बचाव ही किसी भी गंभीर समस्या से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है। इस अवसर पर कम्यूनिटी पुलिसिंग यूनिट के उपनिरीक्षक वीरेंद्र सिंह एवं उपनिरीक्षक ओंकेश्वर नाथ राय सहित ग्रामीणजन मौजूद रहे।

# खेसरहा के मरवटिया बाजार में स्वच्छ भारत मिशन की योजना पर उठे सवाल

## केयरटेकर नियुक्ति के बावजूद बंद रहता है शौचालय

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीणों को स्वच्छता की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत मरवटिया बाजार में लाखों रुपये की लागत से निर्मित सामुदायिक शौचालय आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। नियमित संचालन न होने के कारण यह शौचालय अधिकतर समय बंद रहता है, जिससे ग्रामीणों को आज भी खुले में शौच के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि शौचालय के रखरखाव और साफ–सफाई के लिए स्वयं सहायता समूह के माध्यम से केयरटेकर की नियुक्ति भी की गई है, लेकिन इसके बावजूद व्यवस्था में कोई सुधार नहीं दिख रहा है। इससे सरकारी योजना के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े हो रहे हैं। गांव निवासी चंद्र प्रकाश ने बताया कि सामुदायिक शौचालय हमेशा बंद रहता है, जिससे लोगों को कोई

लाभ नहीं मिल पा रहा है। वहीं राम प्रसाद ने कहा कि सरकार की मंशा अच्छी है, लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण योजना धरातल पर फेल साबित हो रही है। ग्रामीण सविता देवी ने बताया कि महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने शौचालय को नियमित रूप से संचालित कराने की मांग की। इस संबंध में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि धर्मेंद्र ने बताया कि उन्हें शौचालय के संचालन से जुड़ी समस्याओं की जानकारी है और जल्द ही संबंधित विभाग व स्वयं सहायता समूह से बात कर व्यवस्था को सुचारू कराया जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से सामुदायिक शौचालय को नियमित रूप से संचालित कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि लाखों रुपये की लागत से बनी यह सरकारी संपत्ति ग्रामीणों के लिए उपयोगी साबित हो सके।

# थाना शिवनगर डिड़ई पुलिस ने महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज–5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के तहत शनिवार को थाना शिवनगर डिड़ई पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने ग्राम कड़सरा में

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान बालिकाओं और महिलाओं को मिशन शक्ति अभियान, गुड टच–बैड टच, नए कानून, साइबर अपराध से बचाव और एंटी रोमियो अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेंदु सिंह के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष बृजेश सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को साइबर ठगी से बचने के उपाय भी बताए गए। पुलिस टीम ने किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तत्काल पुलिस सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1090 वूमेन पावर लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 181 महिला हेल्पलाइन और 101 अग्निशमन सेवा की जानकारी देकर उनके उपयोग के बारे में जागरूक किया गया। इस दौरान मिशन शक्ति टीम की सदस्य उपनिरीक्षक अयोध्या यादव एवं महिला मुख्य आरक्षी नीलम शुक्ला उपस्थित रहीं। उन्होंने महिलाओं और बालिकाओं से निर्भीक होकर अपनी समस्याएं पुलिस तक पहुंचाने और किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की सूचना तुरंत देने की अपील की।

## वनवासी मेधा छात्रवृति परीक्षा 12 को

जौनपुर। संस्था जेब्रा फाउंडेशन ट्रस्ट ने तथागत ट्रस्ट के संस्थापक एवं भारतीय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. नागेंद्र प्रसाद सिंह के मार्गदर्शन में वनवासी (मुसहर) समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करने के उद्देश्य से चतुर्थ वनवासी मेधा छात्रवृति प्रतियोगी परीक्षाश्श् रविवार, 12 जुलाई को स्थानीय सी. एम. एम. इंग्लिश स्कूल, रशीदाबाद में पूर्वान्ह 9 बजे से 11 बजे के मध्य आयोजित किया है जिसमें जौनपुर, वाराणसी एवं आजमगढ़ जनपदों के वनवासी समाज के हाईस्कूल एवं इंटरमीडियट स्तर के विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे। संजय कुमार सेठ बताया कि तीनों जनपदों से चयनित 10 – 10 विद्यार्थियों को देश की आजादी में शहीद आदिवासी नायकों के नाम से छात्रवृति प्रदान किया जायेगा।

## दीवार तोड़ने में पांच के खिलाफ मुकदमा

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में दीवार तोड़ने व महिलाओं को मारने की धमकी देने वाले पांच लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव निवासी कलावती देवी पत्नी अनुज कुमार को गांव के गोविंद कुमार, दिलीप कुमार,किशन कुमार ने भू विवाद को लेकर उसकी दीवार को तोड़ दिया। जब कलावती व उसकी पुत्री समो ने विरोध किया तो उक्त लोगो ने दोनों महिलाओं को गाली– गलौज देते हुए मारने पीटने की धमकी दी।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने .शाम को सुल्तानपुर गांव के दिलीप, गोविंद, किशन, मनोज समेत पांच लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

## अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया

जौनपुर। केराकत नगर पंचायत केराकत द्वारा नगर क्षेत्र में अतिक्रमण के विरुद्ध पूरे दिन वृहद अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व अधिशासी अधिकारी (ईओ) नगर पंचायत केराकत एवं नायब तहसीलदार केराकत ने संयुक्त रूप से किया। पूरे दिन चले इस अभियान के दौरान मुख्य मार्गों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया तथा अतिक्रमणकारियों को भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी गई। बताया कि सार्वजनिक मार्गों, नालियों एवं सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभियान के दौरान कई स्थानों से अवैध रूप से रखे गए सामान एवं अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारु हुई और आम नागरिकों को राहत मिली।

## घरेलू कलह के चलते युवक ने खाया जहर, मौत

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम सुकुई में .सुबह घरेलू कलह चलते 35 वर्षीय युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित दिया। वहीं परिजन शव लेकर वापस गांव चले गये। जानकारी के अनुसार सुकुई गांव निवासी राम सजीवन का पुत्र सुरेश घरेलू कलह के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ समय बाद जब उसकी हालत बिगडने लगी तो परिजनों ने उसे तत्काल निजी वाहन से उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं घर वाले शव लेकर वापस गांव चले गये।

## छत से गिरकर युवक घायल

फतेहपुर। बांदा जनपद के थाना कमासिन गांव मंझनपुर में सुबह छत से गिरकर 42 वर्षीय युवक घायल हो गया। फतेहपुर जनपद करीब होने पर घर वाले उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार मंझनपुर गांव निवासी रामसजीवन का पुत्र सधऊ सुबह छत में चढकर काम कर रहा था। तभी पैर फिसल जाने पर नीचे गिरकर घायल हो गया। उधर परिजन फतेहपुर जनपद करीब होने पर उसे तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

## मिशन शक्तिप्रभारी ने किया पांचवां रक्तदान

फतेहपुर। शादी की सालगिरह को यादगार बनाने के लिए लोग अक्सर जश्न मनाते हैं, लेकिन एंटी रोमियो स्क्वॉड एवं मिशन शक्ति प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रीति कटियार ने अपनी शादी की 10 वीं वर्षगांठ समाजसेवा को समर्पित कर एक प्रेरणादायी उदाहरण पेश किया। उन्होंने सर्व फॉर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन के सहयोग से मानस रक्तकेंद्र पहुंचकर अपना पांचवां स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदान के बाद सब इंस्पेक्टर प्रीति कटियार ने कहा कि जीवन के विशेष अवसरों को यदि समाज सेवा से जोड़ा जाए तो उनकी खुशी कई गुना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और रक्त की एक–एक बूंद किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकती है। मानस रक्तकेंद्र में विवाह वर्षगांठ के उपलक्ष्य में केक काटकर खुशियां मनाई। रक्तकेंद्र प्रभारी अमन यादव ने प्रीति कटियार को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया और उनके इस मानवीय प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम में सर्व फॉर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन के गुरमीत सिंह और रंजीत प्रताप उपस्थित रहे। वहीं मानस रक्तकेंद्र की ओर से प्रभारी अमन यादव, टेक्नीशियन अनामिका पाल एवं विष्णु सिंह भी मौजूद रहे। सभी ने प्रीति कटियार को विवाह वर्षगांठ की शुभकामनाएं देते हुए उनके इस प्रेरणादायी कदम की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

## मौसमी बीमारियों से बचाव के बताए तरीके

फतेहपुर। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी, आरोग्य भारती, दि होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान व डॉ सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के संयोजकत्व में सोसाइटी चेयरमैन व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ अनुराग श्रीवास्तव ने बरसात के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव व रोगप्रतिरोधक क्षमता विकसित करने में सहायक होम्योपैथिक औषधि वितरण अभियान पुनः चलाया। डॉ अनुराग ने प्राथमिक विद्यालय पीरनपुर के 65, प्राथमिक विद्यालय महारथी के 74 कुल 139 बच्चों को बरसात के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव व रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने में सहायक होम्योपैथिक औषधि प्रदान की। साथ ही सभी बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। उन्होने बताया कि भोजन से पहले व शौच जाने के बाद साबुन से अच्छी तरह से हाथ धुलने चाहिए। जिससे संक्रमण का खतरा कम हो जाता है। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या साफिया, वंदना गुप्ता, प्रमुख सहयोगी अभिनव श्रीवास्तव प्रबंध समिति सदस्य इंडियन रेडक्रास सोसाइटी उपस्थित रहे।

# प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण लेकर लौटे बहराइच के दो शिक्षक, अब करेंगे जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर बहराइच। जनपद के दो शिक्षकों ने राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज में आयोजित तीन दिवसीय प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है। अब ये दोनों शिक्षक जिले में मास्टर ट्रेनर के रूप में ब्लॉक स्तर पर शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे, ताकि विद्यालय से बाहर (ड्रॉपआउट) बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) पयागपुर के प्राचार्य एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने बताया कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (ैब्म्त्ज्) लखनऊ के निर्देशन में 9 से 11 जुलाई तक राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज में प्रशिक्षण आयोजित हुआ। प्रशिक्षण में विकासखंड पयागपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय पिपरा कमाल शिवदहा के प्रधानाध्यापक राजेश कुमार मिश्र तथा डायट के प्रवक्ता दशरथ यादव ने भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान हिंदी, गणित, अंग्रेजी और पर्यावरण सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। बीएसए ने बताया कि आगामी माह में दोनों प्रशिक्षित शिक्षक जिले के विभिन्न विकासखंडों से चयनित चार–चार शिक्षकों को जिला स्तर पर प्रशिक्षण देंगे। इसका उद्देश्य विद्यालय से बाहर बच्चों को पुनः शिक्षा से जोड़ना और उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रेरित करना है। शासन की ओर से ऐसे बच्चों के लिए शैक्षणिक सामग्री की भी विशेष व्यवस्था की गई है तथा प्रत्येक विद्यालय में इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन करते हुए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। इससे जनपद को शनिपुण जनपदश घोषित कराने के लक्ष्य को भी मजबूती मिलेगी। प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण में राज्य शिक्षा संस्थान के प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद, पूर्व बीएसए एवं जिला विद्यालय निरीक्षक एस.एन. चौरसिया, प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. निहारिका कुमार, योगीराज मिश्र, हरेराम पांडेय, प्रज्ञा सिंह, डॉ. पूनम सिंह, .ष्णा देवी सहित अन्य विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

# डीएम ने मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल में मनाया कन्या जन्मोत्सव, नवजात का रखा 'अनुग्रहिता' नाम

बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में बेटियों के सम्मान एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति सकारात्मक संदेश देने के उद्देश्य से जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज गोण्डा के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के प्रसव विंग एवं वार्ड में एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।ग्राम बेसिया चौन निवासी पूनम देवी पत्नी दिनेश कुमार, के प्रसव के शुभ अवसर पर डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन स्वयं अस्पताल पहुंचीं और परिवारजनों के साथ मिलकर केक काटकर कन्या जन्मोत्सव मनाया।इस अवसर पर डीएम ने नवजात कन्या के जन्म पर

परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि बेटियां परिवार,समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों को समान अवसर,बेहतर शिक्षा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने परिवारजनों से नवजात बच्ची के बेहतर पालन–पोषण एवं शिक्षा के लिए संकल्पित रहने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान परिवारजनों के आग्रह पर जिलाधिकारी ने नवजात कन्या का नाम श्अनुग्रहिताश रखा। यह नाम सुनकर परिवारजनों ने प्रसन्नता व्यक्त की और जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने नवजात शिशु के लिए शुभकामना स्वरूप चांदी की कटोरी एवं चम्मच भेंट की।साथ ही बच्ची की माता श्रीमती पूनम देवी को सहायता राशि भी प्रदान की, जिससे परिवार के प्रति प्रशासन की संवेदनशीलता एवं सहयोग की भावना का परिचय मिला।कन्या जन्मोत्सव के दौरान अस्पताल परिसर में उत्साह एवं हर्ष का वातावरण रहा।उपस्थित चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों तथा अधिकारियों ने भी परिवार को शुभकामनाएं दीं और नवजात के स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम ने श्बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओश तथा कन्या सम्मान की भावना को और अधिक सशक्त बनाने का संदेश दिया। संबंधित अधिकारीगण,चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

# राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस पर युवाओं में भरा राष्ट्र निर्माण का जोश

## .अभाविप की संगोष्ठी में बोले आदर्श तिवारी 'आजाद'

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की परसपुर नगर इकाई द्वारा परिषद के 78वें स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर बेनी माधव जंग बहादुर इंटर कॉलेज, परसपुर में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ हुआ। मुख्य वक्ता विभाग संयोजक आदर्श तिवारी श्आजादश ने कहा कि ष्अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र पुनर्निर्माण का सशक्त अभियान है।ष उन्होंने परिषद की स्थापना, संगठनात्मक स्वरूप एवं कार्यक्षेत्रों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि अभाविप अपने स्थापना काल से ही विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व विकास, सामाजिक चेतना, राष्ट्रीय एकता तथा राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से निरंतर कार्य कर

रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज जीवन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। नगर मंत्री नैमिष प्रताप सिंह ने सभी अतिथियों एवं छात्र–छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा कि अभाविप प्रत्येक वर्ष अपने स्थापना दिवस को राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाती है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए परिषद की विचारधारा एवं संगठनात्मक कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया।विद्यालय के उप–प्राचार्य वी.के. सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के बौद्धिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने शिक्षा के साथ सामाजिक एवं राष्ट्रीय दायित्वों के निर्वहन पर भी बल दिया। अंत में उन्होंने सभी अतिथियों, कार्यकर्ताओं एवं छात्र–छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।इस अवसर पर दुर्गेश निगम, महक सिंह, रितेश पांडेय,विशाल कुमार, आशुतोष वर्मा सहित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अनेक कार्यकर्ता एवं विद्यालय के सैकड़ों छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

# धरती माँ के नाम मनाया जन्मोत्सव, वृक्षारोपण कर दिया हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के परसपुर क्षेत्र में ज्ञानसेतु भारत परिषद के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला शारीरिक शिक्षण प्रमुख प्रदीप पांडेय एवं हरिओम पांडेय श्रमनश के जन्मदिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जन्मदिवस को प्र.ति संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।कार्यक्रम को श्रीरामचरितमानस भवन,अयोध्या के पूज्य आचार्य पद्मनाभ दास जी महाराज का सान्निध्य एवं एवं देवेंद्र पांडेय श्राजनश ने

आशीर्वाद प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज कुमार तिवारी की।इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, गोंडा के विभाग संयोजक आदर्श तिवारी श्आजादश ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी का प्रतीक हैं।उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जन्मदिवस जैसे विशेष अवसरों को वृक्षारोपण एवं समाजोपयोगी कार्यों से जोड़े तो पर्यावरण संरक्षण के साथ सेवा और संस्कार की भावना भी सशक्त होगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परसपुर के रजनीश मिश्रा, जग्गू पांडेय, प्रधान पांडेय सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह ने सोनवा थाने पर सुनी फरियाद

## अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद के सभी थानों में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जहां पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। अपर

पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह ने थाना सोनवा पहुंचकर फरियादियों की शिकायतों का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक मामले का त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में उपजिलाधिकारी भिनगा एवं क्षेत्राधिकारी नगर भरत पासवान ने कोतवाली भिनगा में, जबकि क्षेत्राधिकारी इकौना आलोक कुमार सिंह ने थाना इकौना में आयोजित समाधान दिवस में प्रतिभाग कर लोगों की शिकायतें सुनीं। अधिकारियों ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के कर्मचारियों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। थाना समाधान दिवस के दौरान जनपद के आठों थानों पर कुल 64 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें अधिकांश शिकायतें राजस्व संबंधी रहीं। सभी मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों का गठन कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। थानावार प्राप्त शिकायतेंरू हरदत्त नगर गिरंट . 03 इकौना . 03 कोतवाली भिनगा . 32 सोनवा . 06 नवीन मॉडर्न श्रावस्ती . 05 गिलौला . 07 मल्हीपुर . 03 सिरसिया . 05 प्रशासन ने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य आमजन की शिकायतों का मौके पर ही प्रभावी समाधान कराना तथा पुलिस–प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास और अधिक मजबूत करना है।

# बहराइच थाना समाधान दिवस में एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने सुनीं जनसमस्याएं, निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

विशेश्वरगंज बहराइच। जनपद के सभी थानों में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने थाना विशेश्वरगंज पहुंचकर राजस्व विभाग की टीम के साथ थाना समाधान दिवस की अध्यक्षता की। इस दौरान एसपी ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों की निष्पक्ष, विधिसम्मत एवं समयबद्ध जांच कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन प्रार्थना–पत्रों का निस्तारण उच्चाधिकारी स्तर से किया जाना है, उन्हें आवश्यक आख्या संलग्न कर तत्काल संबंधित अधिकारी को भेजा जाए। पुलिस अधीक्षक ने विशेष रूप से भूमि विवाद से जुड़े मामलों में पुलिस और राजस्व विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं, जनपद के सभी क्षेत्राधिकारियों ने भी अपने–अपने सर्किल के थानों में उपस्थित रहकर जनशिकायतों की सुनवाई की तथा संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह, थाना विशेश्वरगंज के प्रभारी निरीक्षक तथा राजस्व विभाग की टीम उपस्थित रही।

# आयुक्त ने सीएम डैशबोर्ड एवं जनशिकायतों की समीक्षा कर दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विंध्याचल मंडल, मीरजापुर के आयुक्त एवं जनपद के नोडल अधिकारी राजेश प्रकाश ने कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के लैगशिप कार्यक्रमों, आईजीआरएस जनशिकायतों, निर्माणाधीन परियोजनाओं तथा राजस्व एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त ने निर्देशित किया कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए। सभी अधिकारी प्रतिदिन स्वयं पोर्टल का अवलोकन करें तथा लंबित प्रकरणों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी नियमित रूप से प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक अपने कार्यालय में बैठकर जनसुनवाई करें तथा मुख्यालय पर निवास करना सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। आयुक्त ने निर्माणाधीन परियोजनाओं एवं अन्य विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए विकास कार्यों में निरंतर प्रगति बनाए रखें। समीक्षा के दौरान आयुक्त राजेश प्रकाश ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड में विकास कार्यों के अंतर्गत जनपद सोनभद्र को प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त होने पर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ सहित समस्त अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी इसी प्रकार टीम भावना के साथ कार्य करते हुए जनपद की उपलब्धियों को और बेहतर बनाने का प्रयास करें तथा शासन की प्राथमिकताओं का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें। बैठक में जिलाधिकारी चर्चित गौड़, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, सहित राजस्व, विकास एवं निर्माण कार्यों से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# पौधारोपण महाभियान की तैयारियों की मंडलायुक्त ने की समीक्षा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।जनपद में आयोजित होने वाले पौधारोपण महाभियान की तैयारियों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से विंध्याचल मंडल के मंडलायुक्त एवं जनपद के नोडल अधिकारी राजेश प्रकाश ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागवार पौधारोपण लक्ष्य, तैयारियों, जनभागीदारी तथा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान मंडलायुक्त राजेश प्रकाश ने निर्देश दिए कि सभी विभाग शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पौधारोपण सुनिश्चित करें। प्रत्येक पौधारोपण स्थल की जियो टैग फोटोग्राफी निर्धारित समय पर उपलब्ध कराई जाए तथा अभियान के प्रत्येक चरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल लक्ष्य पूर्ति तक सीमित न रहे, बल्कि लगाए गए पौधों की सुरक्षा, संरक्षण एवं नियमित देखभाल की भी प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे पौधों के जीवित रहने की दर अधिकतम हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप वृहद स्तर पर पौधारोपण करते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए। अभियान में जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, विद्यार्थियों तथा आमजन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर इसे सफल बनाया जाए। बैठक में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि मंडलायुक्त द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का शत–प्रतिशत अनुपालन कराया जाएगा। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ लक्ष्य के अनुरूप पौधारोपण करेंगे तथा जियो टैग फोटोग्राफ सहित सभी आवश्यक सूचनाएं समय से उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि अभियान के संचालन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सहित समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# थाना ओबरा में मिशन शक्ति केंद्र एवं साइबर सेल का हुआ उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।जनपद में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के साथ–साथ साइबर अपराधों की रोकथाम को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने शनिवार को थाना ओबरा परिसर में मिशन शक्ति केंद्र एवं साइबर सेल का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि मिशन शक्ति केंद्र महिलाओं को त्वरित सहायता, परामर्श एवं सुरक्षा संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं, साइबर सेल के माध्यम से साइबर अपराधों की शिकायतों का शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा तथा लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी अथवा महिलाओं से संबंधित अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करें तथा उपलब्ध सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस अवसर पर पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारीगण तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## बभनी के प्राथमिक विद्यालय में आपदा प्रबंधन पर जागरूकता

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।बभनी शिक्षा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय असनहर प्रथम में शनिवार को उपनिरीक्षक ने स्कूली बच्चों को प्रा.तिक और मानव जनित आपदाओं के प्रति जागरूक किया। इस दौरान बच्चों को आपदाओं से बचाव के विभिन्न तरीके सिखाए गए। पुलिस टीम द्वारा शनिवार को असनहर प्राथमिक विद्यालय प्रथम पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपनिरीक्षक मक्खन लाल बच्चों को भूकंप, बाढ़, आग, वज्रपात , तालाब कुआं और सांप काटने जैसी आपातकालीन स्थितियों में सुरक्षित रहने के उपाय बताना था। उन्हें गहरे पानी वाली जगहों से दूर रहने की भी सलाह दी गई।कार्यक्रम में बच्चों को बताया गया कि आपदा के समय घबराने के बजाय धैर्य और सूझबूझ से काम लेना चाहिए। उन्हें प्राथमिक उपचार (थ्पतेज ।पक) के बारे में जानकारी दी गई और आग लगने की स्थिति में अग्निशमन यंत्रों का उपयोग करने का तरीका भी समझाया गया। रात में टॉर्च लेकर चलने की भी सलाह दी गई। आपातकालीन स्थिति में सहायता के लिए 112, 1070, 1077, 101, 100 और 108 जैसे आपातकालीन नंबरों पर कॉल करने की जानकारी दी गई। इस दौरान विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मसूद अहमद, शिक्षक शेखर तिवारी,सी एस पाण्डेय पांडेय और श्यामजी पांडेय सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

# सोनभद्र की छतों पर तेजी से उतर रही बचत की छतरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। देश में सबसे ज्यादा बिजली उत्पादन करने वाले सोनभद्र के वाशिंदे प्रधानमंत्री सूर्य घर मुत बिजली योजना का लाभ उठाकर अपने घरों में मुत बिजली का उत्पादन कर रहे हैं। जिससे बिजली का बिल अब उनकी जेब पर भारी नहीं पड़ रहा है। छतों पर लगने वाली सौर ऊर्जा की यह छतरी अब उनके लिए श्बचत की छतरीश साबित हो रही है। जिले में अब तक 3 हजार से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। केंद्र और प्रदेश की योगी सरकार द्वारा योजना के तहत दी जा रही सब्सिडी ने लोगों के घरों तक आसानी से सौर ऊर्जा पहुंचा दी है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर अधिकारी योजना के क्रियांवयन पर लगातार जोर दे रहे हैं। सौर क्रांति से जुड़कर अब आमजन का प्रतिमाह आने वाला बिजली का बिल काफी कम हो गया है। यूपीनेडा के परियोजना प्रभारी चंद्रशेखर ने बताया कि योजना के तहत जनपद में कुल 3365 घरों में सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। जिससे प्रतिदिन लगभग 50 हजार यूनिट से अधिक मुत बिजली का उत्पादन हो रहा है। बताया कि 2955 लाभार्थियों के खाते में योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी भी पहुंच चुकी है। शेष लाभार्थियों की लंबित सब्सिडी भी जल्द ही अवमुक्त हो जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026–27 में 4042 घरों को इस हरित क्रांति से जोड़ने का लक्ष्य है। जिसके क्रम में अप्रैल–जून माह में 971 लाभार्थियों को पीएम सूर्य घर मुत बिजली योजना से जोड़ा गया।

### डबल सब्सिडी लाभ आमजन के लिए बड़ी राहत'

परियोजना प्रभारी ने बताया कि 1 किलोवाट क्षमता के सोलर संयंत्र पर केंद्र सरकार 30 हजार रुपये तथा उत्तर प्रदेश सरकार 15 हजार रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दे रही है। इस प्रकार लाभार्थी को कुल 45 हजार रुपये की सहायता प्राप्त होती है। इसी प्रकार 2 किलोवाट क्षमता के संयंत्र पर केंद्र सरकार की ओर से 60 हजार रुपये तथा प्रदेश सरकार की ओर से 30 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाती है। इससे लाभार्थी को कुल 90 हजार रुपये का लाभ मिलता है। 3 किलोवाट क्षमता के रूफटॉप सोलर संयंत्र पर केंद्र सरकार 78 हजार रुपये और उत्तर प्रदेश सरकार अधिकतम 30 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता प्रदान करती है। इस तरह लाभार्थी को कुल 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सब्सिडी उपलब्ध हो सकती है। बताया कि योजना का उद्देश्य घरेलू उपभोक्ताओं को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना, बिजली बिल में कमी लाना तथा नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना है।

# मानव तस्करी एवं नाबालिग बालिका की खरीद–फरोख्त प्रकरण में सोनभद्र पुलिस को एक और बड़ी सफलता

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के कुशल नेतृत्व में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग (।भ्ज) एवं थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने मानव तस्करी एवं नाबालिग बालिका की अवैध खरीद–फरोख्त से जुड़े चर्चित प्रकरण में एक और महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। थाना रॉबर्ट्सगंज पर पंजी.त मु0अ0सं0–177/2026 धारा 137(2), 143(4), 351(3), 61(2) सहपठित धारा 64(2)(एम), 98, 99 बीएनएस, व धारा 16/17 एवं 5स्/6, 5श्र(प्प्)/6 पॉक्सो एक्ट तथा धारा 3(2)(5) एससी/एसटी एक्ट में वांछित अभियुक्त अमित कुमार पुत्र अशोक पंडित, निवासी पक्की सराय, वार्ड नं. 34, थाना सासनीगेट, जनपद अलीगढ़ की गिरतारी हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा विशेष टीम गठित की गई थी। गठित टीम द्वारा लगातार दबिश, तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर दिनांक 10.07.2026 को अभियुक्त को रेलवे स्टेशन सोनभद्र स्थित बीएसएनएल गेट के पास से गिरतार किया गया । विवेचना के दौरान पीड़िता द्वारा धारा 180 बीएनएसएस तथा न्यायालय के समक्ष धारा 183 बीएनएसएस के अंतर्गत दिए गए बयानों में अभियुक्त अमित कुमार की सक्रिय भूमिका स्पष्ट रूप से सामने आई है। संकलित साक्ष्यों से यह प्रमाणित हुआ कि पीड़िता को मानव तस्करी के माध्यम से अवैध रूप से खरीदकर उसका जबरन विवाह कराया गया तथा उसके साथ गंभीर शोषण किया गया। सीसीटीएनएस के माध्यम से प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरतार अभियुक्त के विरुद्ध थाना सासनीगेट, जनपद अलीगढ़ पर मु0अ0सं0–111/2018, धारा 323, 376, 506 भादवि का अभियोग भी पंजी.त है, जिसमें विवेचना पूर्ण कर आरोपपत्र न्यायालय में प्रेषित किया जा चुका है तथा मामला वर्तमान में विचाराधीन है। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने स्वीकार किया कि सहअभियुक्त बिन्दु, सोनी एवं शिव सिंह उर्फ रामलाल के माध्यम से नाबालिग पीड़िता को अलीगढ़ लाया गया था तथा उसके पिता अशोक पंडित के साथ मिलकर लगभग ध्1,20,000/– देकर पीड़िता को खरीदा तथा उसका जबरन विवाह अपने छोटे भाई राहुल कुमार से कराया। अभियुक्त ने यह भी स्वीकार किया कि मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए वह लगातार फरार चल रहा था।

# महिला को ब्लैकमेल कर ध्05 लाख की मांग करने वाला शातिर अभियुक्त गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) श्री अनिल कुमार के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी श्री हर्ष पाण्डेय के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक श्री सत्येन्द्र कुमार राय के नेतृत्व में थाना शक्तिनगर पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना शक्तिनगर पर पंजी.त मु0अ0सं0–134/2026, धारा 351(2), 352, 308(5), 319(2), 336(3), 336(4), 61(2)(क) बीएनएस से संबंधित प्रकरण में एक महिला को ब्लैकमेल कर उससे ध्05 लाख की मांग करने वाले अभियुक्त दीपक शाह पुत्र चंद्रबली शाह, निवासी माजन खुर्द, थाना नवानगर, जनपद सिंगरौली (मध्य प्रदेश), उम्र लगभग 26 वर्ष को दिनांक 11.0.2026 को दुद्धीचुआ एनसीएल स्टेडियम के पास मुख्य मार्ग से गिरतार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

## अनपरा पुलिस द्वारा दुष्कर्म एवं जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित अभियुक्त गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार' के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी ' हर्ष पाण्डेय' के कुशल निर्देशन में थाना अनपरा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। इसी क्रम में थाना अनपरा पर पंजी.त 'मु0अ0सं0 151/2026, धारा 64(1), 351(3) बीएनएस' से संबंधित वांछित अभियुक्त 'प्रदीप पाल पुत्र भागवत पाल', निवासी ग्राम पोड़ी, थाना गढ़वा, जनपद सिंगरौली (मध्य प्रदेश), उम्र लगभग 22 वर्ष को दिनांक '11.07.2026' को समय '10रू57 बजे' लोझरा चढ़ाई क्षेत्र से गिरतार करते हुए न्यायालय भेजा गया। वादिनी द्वारा थाना अनपरा पर अभियोग पंजी.त कराया गया था कि अभियुक्त ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया तथा जान से मारने की धमकी दी। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अनपरा पर 'मु0अ0सं0 151/2026, धारा 64(1), 351(3) बीएनएस' के अंतर्गत अभियोग पंजी.त किया गया। विवेचना एवं साक्ष्य संकलन के उपरांत पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त को गिरतार कर नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की गई।

# डाला मलिन बस्ती का जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ और पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने संयुक्त रुप से मलिन बस्ती का निरिक्षण करके बस्ती वासियों को उच्च न्यायालय के आदेशों की जानकारी दी। शनिवार की दोपहर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक का काफिला मलिन बस्ती में ज्यों ही रुका तो देखते ही देखते मलिन बस्ती के सैकडों लोग एकत्र हो गए, सभी मौजूद लोगों को जिलाधिकारी ने बताया भूखंड गाटा संख्या 113–179 पर उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा आदेश पारित किया गया है। आप सभी लोग एक निश्चित समयावधि में न्यायालय जाकर अपनी पैरवी कर लें। अन्यथा जिला प्रशासन को न्यायलय के आदेशों का पालन कराना होगा।मलीन बस्ती का मुकदमा लड़ रहे बनवासी समाजिक विकास समिति के संस्थापक लक्ष्मण कुशवाहा ने बताया कि हम बस्ती की लड़ाई मजबूती से लड़ रहे हैं किसी भी दशा में हम बस्ती को खाली नही करेंगे । मलिन बस्ती एकता समिति के उमेश मेहता ने बताया कि हम अपनी लडाई सुप्रीम कोर्ट तक लड़ेंगे बस्ती को किसी दशा में खाली नही होनें देंगे। इस दौरान अपर जिलाधिकारी वागीश शुक्ला , तहसील दार ओबरा नागेन्द्र राम, कोटा लेखपाल संदीप दत्ता, बिल्ली मारकुंडी अमित सिंह, चोपन थाना प्रभारी गोपाल जी गुप्ता, डाला चौकी प्रभारी घनश्याम तिवारी, भाजयुमो उपाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह, सपा जिला सचिव मंगल जायसवाल, बसपा जोन प्रभारी घनश्याम प्रसाद कुशवाहा, सभासद अवनीश देव पाण्डेय, मलिन बस्ती निवासी बबून्दर पाठक, नागेन्द्र पासवान, मदन अग्रहरि, सुभाष राणा, राम प्रवेश मेहता,सुधीर मोनू पाठक, गुंजा अग्रहरि, माया देवी समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

# संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत जनपदभर में चला विशेष स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में शनिवार को जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत व्यापक स्वच्छता एवं जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया। अभियान के तहत ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में साफ–सफाई, नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, खराब हैंडपंपों का चिन्हांकन एवं मरम्मत सहित विभिन्न गतिविधियां कराई गईं। उच्च जोखिम वाले ग्रामों में माइक्रोप्लान के अनुसार विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें सफाईकर्मी, पंचायत सहायक, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्राम प्रधानों की सक्रिय सहभागिता रही। साथ ही लोगों को संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान जनपद के 37 विद्यालयों में संचारी रोग जागरूकता रैलियां निकाली गईं। ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों द्वारा 24 प्रभात फेरियां आयोजित की गईं तथा ग्राम पंचायत अधिकारियों द्वारा 2 ग्राम सभाओं में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त विभिन्न गांवों में नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, 73 हैंडपंपों की मरम्मत, 36 हैंडपंप चबूतरों की मरम्मत एवं 3 शौचालयों का निर्माण कराया गया। नगर पंचायत क्षेत्रों में 26 स्थानों पर नालियों की सफाई तथा 5 नगरीय वार्डों में फॉगिंग कराई गई। पशुपालकों को संचारी रोगों की रोकथाम के संबंध में जागरूक किया गया तथा .तंक नियंत्रण के लिए 2 बैठकों का आयोजन भी किया गया।

# ओबरा थाना दिवस में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सुनीं जनशिकायतें

## समस्याओं के त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।जनपद के ओबरा थाना परिसर में आयोजित थाना दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने फरियादियों की जनशिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। थाना दिवस के दौरान प्राप्त प्रत्येक शिकायत के समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व एवं पुलिस विभाग से संबंधित प्रकरणों का आपसी समन्वय के साथ मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करते हुए निर्धारित समय सीमा में समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को त्वरित एवं प्रभावी न्याय उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। थाना दिवस के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# साइबर थाना भवन का निर्माण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। मंडलायुक्त विंध्याचल मंडल राजेश प्रकाश ने शनिवार को रॉबर्ट्सगंज स्थित निर्माणाधीन साइबर थाना भवन का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए तथा किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता न किया जाए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि लगभग 310.80 लाख रुपये की लागत से निर्मित हो रहे इस दो मंजिला भवन का लगभग 65 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। मुख्य भवन का स्ट्रक्चर तैयार है तथा प्लास्टर एवं फर्श (कोबा) का कार्य प्रगति पर है।

पम्प हाउस का निर्माण जारी है, बोरिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा चाहरदीवारी एवं मुख्य गेट का अधिकांश कार्य संपन्न हो गया है। मंडलायुक्त ने निर्माण की गुणवत्ता का परीक्षण करते हुए शेष कार्यों में तेजी लाने, नियमित निगरानी सुनिश्चित करने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप निर्माण पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भवन पूर्ण होने के बाद साइबर अपराधों की जांच एवं पुलिस व्यवस्था को और अधिक सु.ढ़ बनाने में महत्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध होगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

# रहूँ मैं तेरे रूबरू का पहला गीत जन्नत की सैर हुआ रिलीज

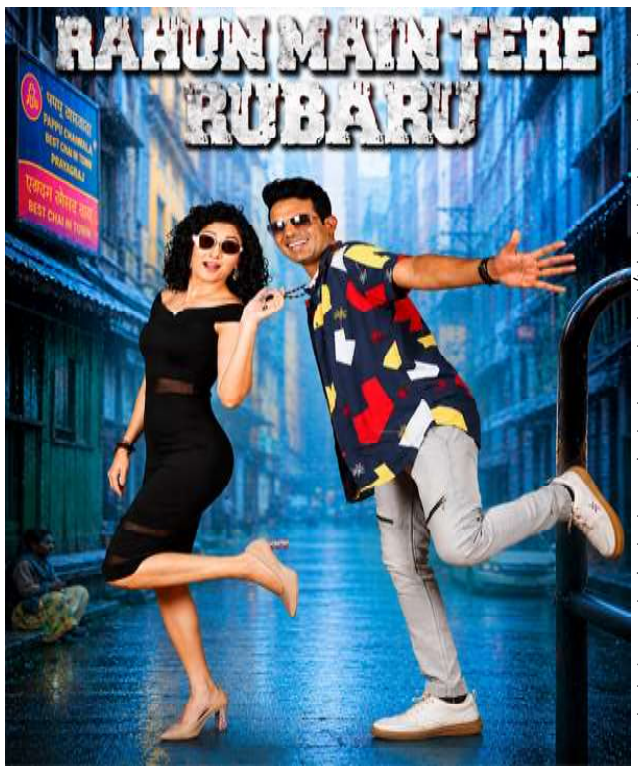


फिल्म रहूँ मैं तेरे रूबरू के निर्माताओं ने फिल्म का पहला गीत जन्नत की सैर रिलीज कर दिया है, जिसने दर्शकों को इस साल की सबसे ताजगीभरी प्रेम कहानियों में से एक की भावनात्मक झलक दी है। एस. एस. एंटरटेनमेंट वर्ल्ड प्रस्तुत इस मधुर रोमांटिक गीत में प्यार की मासूमियत, अपनापन और गहराई को बेहद खूबसूरती से दर्शाया गया है। यह गीत 17 जुलाई 2026 को होने वाली फिल्म की पैन–इंडिया सिनेमाघर रिलीज से पहले दर्शकों के बीच रोमांस का खूबसूरत माहौल तैयार करता है। शाहिद माल्या और खुशबू जैन की सुरीली आवाजों में सजा जन्नत की सैर एक बेहद खूबसूरती से रचा गया रोमांटिक गीत है, जो फिल्म के मुख्य कलाकार आर्या कुमार और नीता शेट्टी के बीच की मासूमियत, प्रेम और भावनात्मक जुड़ाव को बखूबी प्रस्तुत करता है। अपनी सुकूनभरी धुन, दिल को छू लेने वाली गायकी और आकर्षक दृश्यांकन के साथ यह गीत फिल्म की कहानी को और भी प्रभावशाली बनाता है तथा दर्शकों को उस प्रेम की झलक दिखाता है, जो फिल्म के रहस्यपूर्ण कथानक का सबसे अहम हिस्सा है। सोनू राव के मधुर संगीत और शब्बीर सुर्वे के अर्थपूर्ण गीतों से सजा यह गाना भावनाओं और सिनेमाई भव्यता का शानदार संगम प्रस्तुत करता है। संजू जाधव द्वारा कोरियोग्राफ किए गए इस गीत को सिनेमैटोग्राफर कमल एस. चौपाल और सोनू कुमार तिवारी ने अपनी खूबसूरत सिनेमैटोग्राफी से और भी आकर्षक बना दिया है, जिससे यह गीत दृश्य और भावनात्मक दोनों ही स्तरों पर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करता है।

जहाँ फिल्म की कहानी रोमांस, सस्पेंस, चौंकाने वाले रहस्यों और अप्रत्याशित मोड़ों से भरपूर एक दिलचस्प मर्डर मिस्ट्री पर आधारित है, वहीं जन्नत की सैर दर्शकों को इसके कोमल और भावनात्मक पक्ष से रूबरू कराता है। यह गीत न केवल मुख्य कलाकारों के बीच की केमिस्ट्री को और मजबूत बनाता है, बल्कि आगे कहानी में सामने आने वाले भावनात्मक संघर्षों की भी हल्की झलक देता है।

अपने पहले लुक पोस्टर, दिलचस्प टीजर और दमदार ट्रेलर को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद रहूँ मैं तेरे रूबरू को लेकर दर्शकों के बीच लगातार उत्सुकता बढ़ती जा रही है। अब जन्नत की सैर इस साल का रोमांटिक एंथम बनने की ओर अग्रसर है, जो अपनी मधुर धुन, दिल को छू लेने वाले बोल और भावनात्मक दृश्यों के माध्यम से पुराने दौर के सच्चे और निष्कलंक प्रेम की खूबसूरत याद दिलाता है। यह गीत फिल्म की रोमांचक और रहस्यमयी कहानी के साथ एक सच्चे, ताजगीभरे और बेहद भावुक प्रेम को खूबसूरती से संतुलित करता है।

इंदर दास द्वारा निर्देशित रहूँ मैं तेरे रूबरू में आर्या कुमार, नीता शेट्टी और पीहू बिस्वास मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की पटकथा आर्या कुमार ने लिखी है, जबकि क्रिएटिव डायरेक्शन की जिम्मेदारी आर्या कुमार और हिमांशु तिवारी ने संभाली है। एस. एस. एंटरटेनमेंट वर्ल्ड के बैनर तले सुमन सौरभ द्वारा निर्मित इस फिल्म का संपादन हिमांशु तिवारी ने किया है, जबकि फिल्म का प्रभावशाली बैकग्राउंड स्कोर शैलेश राव ने तैयार किया है।

रहूँ मैं तेरे रूबरू 17 जुलाई 2026 को पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

## सिल्क साड़ी में जाह्नवी कपूर ने बिखेरा जलवा, ट्रेडिशनल आउटफिट में लगाया बोल्डनेस का तड़का

बॉलीवुड की यंग और खूबसूरत एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपने बेहतरीन फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो

इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

इन लेटेस्ट तस्वीरों में जाह्नवी का एक अलग ही अंदाज देखने को मिल रहा है, जहां उन्होंने भारतीय परंपरा को बोल्डनेस के साथ पेश किया है। तस्वीरों में जाह्नवी कपूर ने एक बेहद खूबसूरत लैवेंडर और गोल्डन शेड वाली सिल्क साड़ी पहनी हुई है। साड़ी का बॉर्डर काफी हैवी है, जो इसे बेहद रॉयल लुक दे रहा है।

साड़ी के साथ जाह्नवी ने मैचिंग स्ट्रैपलेस स्टाइल ब्लाउज कैरी किया है, जो उनके इस एथनिक लुक में मॉडर्न और ग्लैमरस टच जोड़ रहा है। तस्वीरों में जाह्नवी एक से बढ़कर एक सेक्सी और अट्रैक्टिव पोज देते नजर आ रही हैं। वह अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। उनके इन बोल्ड पोज ने ट्रेडिशनल लुक में भी हॉटनेस का तड़का लगा दिया है।

जाह्नवी ने न्यूड–ग्लॉसी लिपस्टिक, सटल मेकअप, विंग्ड आईलाइनर और माथे पर एक छोटी सी बिंदी के साथ अपने चेहरे की खूबसूरती को निखारा है।

इस रॉयल लुक को पूरा करने के लिए जाह्नवी ने अपने बालों का एक नीट और क्लीन स्लीक जूड़ा बनाया हुआ है, जिसे पारंपरिक हेयर एक्सेसरीज से सजाया गया है।

ज्वेलरी की बात करें तो उन्होंने गले में एक बेहद हैवी कुंदन और पर्ल का चोकर नेकलेस, मैचिंग झुमके, हाथों में ढेर सारी खूबसूरत चूड़ियां, बाजूबंद और अंगूठियां पहनी हुई हैं, जो उनके लुक में चार चांद लगा रहे हैं।

## वेलकम टू द जंगल ने 125 करोड़ का आंकड़ा किया पार, कॉकटेल 2 और मां इंति बंगारम की रफ्तार धीमी

मुंबई। बॉक्स ऑफिस पर अक्षय कुमार की कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने रिलीज के दूसरे सप्ताह में भी मजबूत पकड़ बनाए रखते हुए अपनी लागत की भरपाई कर ली है। वहीं, कॉकटेल 2 और मां इंति बंगारम की कमाई अब लाखों के स्तर पर सिमट गई है। अहमद खान के निर्देशन में बनी वेलकम टू द जंगल ने गुरुवार को सिनेमाघरों में अपने 14 दिन पूरे कर लिए। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के अनुसार फिल्म ने दूसरे गुरुवार को 2.15 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। इसके साथ ही भारत में फिल्म की कुल नेट कमाई 125. 05 करोड़ रुपये पहुंच गई है। फिल्म को दर्शकों का लगातार अच्छा समर्थन मिल रहा है और दूसरे सप्ताह में भी इसकी पकड़ मजबूत बनी हुई है। वहीं, होमी अदजानिया निर्देशित रोमांटिक ड्रामा कॉकटेल 2 ने रिलीज के तीन सप्ताह पूरे कर लिए हैं। शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन अभिनीत इस फिल्म ने शुरुआती दो सप्ताह में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन तीसरे सप्ताह में इसकी कमाई में स्पष्ट गिरावट दर्ज की गई। फिल्म ने तीसरे गुरुवार को 45 लाख रुपये का कारोबार किया, जो बुधवार के बराबर रहा। इसके साथ ही 21 दिनों में फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 94.35 करोड़ रुपये हो गया है। दूसरी ओर, सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म मां इंति बंगारम भी रिलीज के तीन सप्ताह पूरे कर चुकी है। शुरुआती दिनों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली इस फिल्म की कमाई तीसरे सप्ताह में काफी धीमी पड़ गई है। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने तीसरे गुरुवार को 33 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही 21 दिनों में फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 59.62 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। बॉक्स ऑफिस के मौजूदा रुझानों को देखते हुए वेलकम टू द जंगल सबसे मजबूत स्थिति में बनी हुई है, जबकि कॉकटेल 2 और मां इंति बंगारम के लिए आगे बड़ी कमाई करना चुनौतीपूर्ण नजर आ रहा है।

## बॉक्स ऑफिस पर पस्त हुई अल्फा, पहले हफ्ते में 50 करोड़ भी नहीं कमा सकी फिल्म

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ अभिनीत वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा के लिए बॉक्स ऑफिस पर पहला हफ्ता काफी निराशाजनक रहा। सिनेमाघरों में दमदार शुरुआत करने के बाद सोमवार से गुरुवार में फिल्म की कमाई में भारी गिरावट देखी गई। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, रिलीज के 7वें दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक का सबसे कम कारोबार किया, जिसके चलते ये अपने पहले हफ्ते में 50 करोड़ का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकी। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला–प्रधान फिल्म अल्फा ने शुरुआत में अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहले वीकेंड पर 34 करोड़ की शानदार कमाई की थी, लेकिन इसके बाद फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट देखने को मिली। बुधवार और गुरुवार को फिल्म का कारोबार काफी कम रहा। सैकनिल्क के अनुसार, रिलीज के 7वें दिन फिल्म ने केवल 2.60 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह भारी गिरावट के कारण ये फिल्म अपने पहले हफ्ते में कुल 47.55 करोड़ रुपये ही जुटा पाई। अल्फा ने एक शानदार वीकेंड के बाद अपनी रफ्तार पूरी तरह खो दी है। ये फिल्म 1 हफ्ते के भीतर 50 करोड़ का आंकड़ा पार करने में भी नाकाम रही। इसके अलावा अपने ओपनिंग वीकेंड तक ये आलिया भट्ट के करियर की 2 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्में राजी और गंगूबाई काठियावाड़ी से आगे चल रही थी, लेकिन अब अल्फा कमाई के मामले में इन दोनों फिल्मों से काफी पीछे छूट गई है। अल्फा की मुश्किलें अब और बढ़ने वाली हैं, क्योंकि सिनेमाघरों में अजय देवगन की कॉमेडी फिल्म धमाल 4 रिलीज हो गई है। इससे अल्फा के शोज काफी कम हो जाएंगे और उसकी कमाई बढ़ने की गुंजाइश न के बराबर बचेगी। करीब 150 करोड़ के भारी–भरकम बजट में बनी अल्फा को अपनी लागत निकालने के लिए भारत में कम से कम 100 करोड़ और दुनियाभर में 150 करोड़ की कमाई करनी होगी, जो फिलहाल तो नामुमकिन लग रहा है।

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा रही अल्फा को उदय चोपड़ा ने लिखा है और इसका निर्देशन शिव रवैल ने किया है। इस फिल्म में बॉबी देओल और अनिल कपूर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा फिल्म में ऋतिक रोशन ने भी एक कैमियो (विशेष भूमिका) किया है, जिसमें वो अपनी फिल्म वॉर के किरदार में नजर आए हैं। बता दें कि रिलीज के बाद इस फिल्म को समीक्षकोंसे ज्यादातर खराब रिव्यूज मिले।

## आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, वीर बहादुर, पुत्र श्री पिंगल प्रसाद, माता श्रीमती सरस्वती देवी, निवासी ग्राम सतवारी, पोस्ट जानियाजोत, थाना जोगिया उदयपुर, विकास खंड बांसी, जनपद सिद्धार्थनगर (उ.प्र.), की इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2020 की मूल अंकपत्र (मार्कशीट), अनुक्रमांक 2344022, कहीं गुम हो गई है। काफी खोजबीन के उपरांत भी उक्त अंकपत्र प्राप्त नहीं हो सका।यदि किसी व्यक्ति को उक्त अंकपत्र प्राप्त हो अथवा उसके संबंध में कोई जानकारी हो, तो कृपया नीचे दिए गए पते पर सूचित करने का कष्ट करें।

**वीर बहादुर**
ग्राम सतवारी, पोस्ट जानियाजोत
जनपद सिद्धार्थनगर (उ.प्र.)

# चॉकलेट के आदी बच्चों को खिलाएं उसके ये 5 सेहतमंद विकल्प, उन्हें स्वाद भी आएगा पसंद

बच्चों को चॉकलेट खाना बहुत पसंद होता है, लेकिन इसमें मौजूद चीनी और चर्बी के कारण उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में माता–पिता हमेशा इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि बच्चों को सेहतमंद मिठाइयां कैसे खिलाएं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे सेहतमंद विकल्प बताते हैं, जो चॉकलेट की तरह स्वादिष्ट हैं और बच्चों को बहुत पसंद आएंगे। चॉकलेट के ये विकल्प सेहत के लिए भी अच्छे हैं।

डार्क चॉकलेटः डार्क चॉकलेट बच्चों के लिए एक बढ़िया विकल्प है। इसमें कम चीनी होती है और यह सेहत के लिए फायदेमंद तत्वों से भरी होती है। आप डार्क चॉकलेट को पिघलाकर मिल्कशेक या स्मूदी में मिला सकते हैं या इसे फल के साथ परोस सकते हैं। यह बच्चों को मिठास देने के साथ–साथ उनकी सेहत का भी ख्याल रखती है। डार्क चॉकलेट का स्वाद भी बहुत अच्छा होता है, जिसे बच्चे इसे खुशी–खुशी खा लेंगे।

कैरब पाउडरः कैरब पाउडर कैरब फल से बनता है और इसमें प्राकृतिक मिठास होती है। यह कोको पाउडर का सेहतमंद विकल्प है। आप इसे दूध, स्मूदी या दही में मिला सकते हैं या फिर इससे ब्राउनी और कुकीज बना सकते हैं। कैरब पाउडर में कैफीन नहीं होती, जिससे यह बच्चों के लिए सुरक्षित है। यह उनके लिए एक पौष्टिक विकल्प बन सकता है और उनकी सेहत का भी ख्याल रखता है। इसके अलावा यह स्वाद में भी बेहतरीन है।

मेपल सिरप

मेपल सिरप एक प्राकृतिक मीठा पदार्थ होता है, जिसे आप बच्चों के किसी भी व्यंजन में इस्तेमाल कर सकते हैं। यह रिफाइंड चीनी का अच्छा विकल्प है और इसमें कई जरूरी तत्व होते हैं। आप इसे पैनकेक, वैफल्स या ओट्स पर डाल सकते हैं या फिर इसे स्मूदी में मिला सकते हैं। मेपल सिरप का स्वाद भी बहुत अच्छा होता है, जिससे बच्चे इसे खुशी–खुशी खा लेंगे। यह उनकी सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

गुड़

गुड़ एक पारंपरिक मीठा पदार्थ है, जो आयरन और जरूरी तत्वों से भरा होता है। आप गुड़ को बारीक काटकर या कद्दूकस करके अपने बच्चों की रेसिपी में शामिल कर सकते हैं। गुड़ का सेवन पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करता है और खून साफ करता है। गुड़ का स्वाद भी बहुत अच्छा होता है, जिससे बच्चे इसे खुशी–खुशी खा लेंगे। यह उनके लिए एक पौष्टिक विकल्प बन सकता है और उनकी सेहत का भी ख्याल रखता है।

फलों का सिरप

फलों का सिरप प्राकृतिक फलों से बनता है और इसमें कोई अप्राकृतिक स्वाद या रंग नहीं होता। आप इसे दही, आइसक्रीम या स्मूदी पर डाल सकते हैं या फिर इसे पानी में मिलाकर पी सकते हैं। फलों का सिरप बच्चों को ताजगी देता है और उनकी प्यास बुझाता है। इन सभी विकल्पों से न केवल बच्चों की मिठास की जरूरत पूरी होगी, बल्कि उनकी सेहत भी हमेशा बेहतर बनी रहेगी।